PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया
हर खबर सच के साथ
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228
(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, बुधवार, 30 सितंबर 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

Aligarh News: पिता बोले- अगर लल्ला सोना जीतता तो और आनंद आता

जिले के धावक गुलवीर सिंह ने मंगलवार को 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। गुलवीर पहले भारतीय पुरुष एथलीट हैं जिन्होंने एक ही एशियाड में तीन व्यक्तिगत पदक अपने नाम किए हैं। उनके के पिता पप्पू सिंह ने कहा कि अगर लल्ला सोना जीतता तो और आनंद आता। फिर भी बेटे ने कमाल कर दिया है। मंगलवार शाम चार बजे जब गुलवीर सिंह 5000 मीटर दौड़ में पदक के लिए दौड़ रहे थे, तब उनके पिता अपने खेत में धान की फसल में पानी लगा रहे थे। वह बेटे के पदक जीतने से अनभिज्ञ थे। उन्हें जब पदक जीतने की जानकारी दी गई तो पप्पू सिंह खुश हो गए। उन्होंने कहा कि दौड़ में अगर बेटा स्वर्ण पदक जीत लेता, तो और भी आनंद आता। गुलवीर ने 13:32.75 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले उन्होंने 10000 मीटर दौड़ और 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर एशियाई खेलों में पदक की हैट्रिक लगाई है।

घर और गांव में खुशी की लहर

गुलवीर सिंह के गांव सिरसा और उनके घर में पदक जीतने की खुशी की लहर दौड़ गई। पिता पप्पू सिंह ने कहा कि ट्रैक पर दौड़ने से पहले गुलवीर सिंह से उनके बड़े बेटे मोनू ने बातचीत की थी। दोनों ने एक-दूसरे से हालचाल पूछा। गुलवीर सिंह की पत्नी बबिता ने भी पति के पदक जीतने पर खुशी जताई है। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव विवेक कुमार गुलवीर सिंह के परिजनों का स्वागत करने उनके घर पहुंचे। विवेक ने कहा कि गुलवीर सिंह ने इतिहास रच दिया है।

पुरस्कार राशि से खरीदेंगे खेत :

अलीगढ़। गुलवीर सिंह के पिता पप्पू सिंह ने बताया कि एशियाई खेलों में पदक जीतने पर मिलने वाली पुरस्कार राशि से खेत खरीदेंगे। वर्ष 2023 में एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर यूपी सरकार ने 75 लाख की राशि पुरस्कार स्वरूप दी थी।

Aligarh News: महिला कर्मचारी से कहा...आदमी होती तो थप्पड़ मार देता

विद्युत वितरण खंड तालानगरी में तैनात महिला कार्यकारी सहायक ने अधिशासी अभियंता राहुल बाबू कटियार पर अभद्र व्यवहार, गाली देने और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला कर्मचारी का आरोप है कि अधिशासी अभियंता ने अपने कक्ष में बुलाकर कहा कि अगर तुम आदमी होती तो थप्पड़ मार देता। विरोध करने पर उन्हें कार्यालय से बाहर जाने के लिए कह दिया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के मुख्य अभियंता (वितरण) अरविंद नायक ने जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है। समिति को 10 दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश भी दिया है। तालानगरी विद्युत वितरण खंड में तैनात कार्यकारी सहायक अलका चौहान ने मंगलवार को अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल प्रथम देहात उमेश चंद जैन को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में उन्होंने बताया कि मंगलवार को अधिशासी अभियंता राहुल बाबू कटियार ने उन्हें विभागीय कार्य के सिलसिले में अपने कक्ष में बुलाया था। आरोप है कि बिना किसी कारण वह चिल्लाने लगे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए थप्पड़ मारने की धमकी दी। इस प्रकरण में संयुक्त कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने महिला कर्मचारी का समर्थन किया है। मामले की जांच व कार्रवाई की मांग की है।

अधिशासी अभियंता ने आरोपों को झूठ बताया

अधिशासी अभियंता राहुल बाबू कटियार ने महिला कर्मचारी के साथ अभद्रता के आरोपों को झूठ बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने महिला कर्मचारी से विभागीय कार्य के संबंध में सिर्फ तेज आवाज में बात की थी। इसी बात से नाराज होकर उनके खिलाफ शिकायत की गई है। वहीं, अधीक्षण अभियंता उमेश चंद जैन ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

Aligarh News: अवैध निर्माण तोड़ने पहुंची टीम, दंपती ने खुद पर उड़ेला पेट्रोल

शहर के एलमपुर बरातघर के निकट अवैध निर्माण व कब्जा हटाने के लिए मंगलवार को पहुंची नगर निगम की टीम को कड़ा विरोध झेलना पड़ा। कार्रवाई का विरोध करते हुए होमगार्ड दंपती ने पहले खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद खुद पर पेट्रोल उड़ेल लिया। यह देख नगर निगम की टीम बिना कार्रवाई किए लौट गई। इस मामले में नगर निगम की ओर से बन्ना देवी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी गई है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार सारसौल के वार्ड संख्या 32, एलमपुर स्थित नगर निगम की भूमि पर निर्मित बरातघर कम पब्लिक कम्युनिटी हॉल परिसर में दो परिवारों ने अवैध तरीके से मकान बनाकर कब्जा कर लिया है। पूर्व में इन अवैध निर्माणों को अतिक्रमण घोषित करते हुए तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए थे। नगर निगम ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू तो दूसरे पक्ष के लोगों ने तहसीलदार व हाईकोर्ट में अपील की। न्यायालय ने किसी प्रकार की न देते हुए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में मंगलवार को सहायक नगर आयुक्त तपस्या यादव, संपत्ति लिपिक विजय गुप्ता एवं नगर निगम प्रवर्तन दल की टीम राजस्व कर्मियों और पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने दोनों अवैध निर्माणों को खाली कराने की कार्रवाई प्रारंभ की। भवन स्वामी व होमगार्ड दंपती गंगा सिंह, डॉली तथा दूसरे मकान में रहने वाली पिंकी देवी पत्नी महेंद्र ने वैकल्पिक आवास की व्यवस्था के लिए एक महीने का समय मांगा। टीम ने कब्जा छोड़ने के लिए कहा तो होमगार्ड दंपती गंगा सिंह और डॉली ने खुद को कमरे में कैद कर लिया और शरीर पर पेट्रोल उड़ेल लिया। आसपास के लोगों ने किसी तरह उन्हें रोका।

दंपती ने आरोप लगाया कि उन्होंने वर्ष 2013 में बैनामा कराकर मकान बनवाया था। 2014 में नगर निगम ने इस जमीन को अपना बताया। विरोध करने पर तत्कालीन नगर आयुक्त ने उन्हें भरोसा दिलाया था कि उनके मकान को छोड़कर अलग से रास्ता दे दिया जाएगा।

इसके बाद उन्होंने कोर्ट की शरण ली, जो अभी विचाराधीन है। कहा कि यदि उन्हें जबरन बेदखल किया गया तो वे आत्महत्या कर लेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि जमीन नगर निगम की थी तो मकान बनाने से लेकर अबतक अधिकारी कहां थे। इसी तरह पिंकी देवी ने कहा कि मकान खाली कराने से पहले उन्हें मुआवजा दिलाया जाए या दूसरा प्लॉट दिया जाए, नहीं तो वे मकान को किसी कीमत पर खाली नहीं करेंगी।

बरातघर की जमीन पर कब्जा करने वालों को मानवीय संवेदनों के आधार पर पिछले डेढ़ वर्ष में कई बार नोटिस देकर मोहलत भी दी गई है। इस बार कोर्ट से बेदखली के आदेश के बाद ही कब्जा हटवाने के लिए नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची थी। इसके बाद भी कब्जेदार हट नहीं रहे। इस मामले में संबंधित के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है।

-प्रेम प्रकाश मीणा, नगर आयुक्त

Aligarh News: दिल्ली से एएमयू पहुंचा कुचु-पुचु

हाथों में तख्तियां... उन पर चुटीले नारे... और जुबां पर छात्रसंघ चुनाव की मांग। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में मंगलवार को आंदोलन का अंदाज बदला नजर आया। दिल्ली में चर्चित हुआ 'कुचु-पुचु यूनियन दे दो ना' नारा एएमयू की सड़कों पर भी गूंजा। जेनजी के हाथों में ऐसी ही कई तख्तियां थीं, जिनमें किसी पर 'वीसी जी यूनियन जल्दी लाओ, चाय ठंडी हो रही है', तो किसी पर 'एक कचौड़ी दो समोसा, इस वीसी का क्या भरोसा' लिखा था।

डक पॉन्ड पर छात्राओं ने 'नौ दिन हो गए, कुछ तो शर्म करो' और 'स्टूडेंट यूनियन का नारा है, जो हक है वो हमारा है' जैसे नारे लिखी तख्तियां उठाईं। नारों और तख्तियों के इस अंदाज के बीच छात्रसंघ चुनाव की बहाली की मांग लगातार मुखर रही।

आंदोलनकारियों ने बाब-ए-सैयद मार्ग पर बाइक खड़ी कर रास्ता रोक दिया। परिसर में चुनाव की बहाली के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया और कक्षाओं का बहिष्कार किया।

नौवें दिन भी जारी रही भूख हड़ताल :

छात्रसंघ चुनाव की बहाली के लिए लेकर डक पॉन्ड पर भूख हड़ताल कर रहे निलंबित छात्र यासिर फहद का आंदोलन मंगलवार को नौवें दिन भी जारी रहा। लगातार उपवास के बीच उनकी तबीयत बिगड़ने की बात सामने आई। उन्हें पेट में दर्द की शिकायत हुई और वह भावुक भी नजर आए। आंदोलन कर रहे छात्रों का कहना है कि जब तक छात्रसंघ चुनाव की बहाली के संबंध में ठोस कदम नहीं उठाया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

पूर्व अध्यक्ष ने भी जताया समर्थन

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. अब्दुल हफीज गांधी ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि एएमयू एक्ट और लिंगदोह समिति की सिफारिशों में छात्रसंघ चुनाव की व्यवस्था का उल्लेख है। उनके अनुसार, पिछले आठ वर्षों से छात्रों को छात्रसंघ चुनाव से दूर रखा गया है।

उन्होंने कहा कि छात्रसंघ विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। चुनाव होने से छात्रों की समस्याओं को लोकतांत्रिक तरीके से उठाने और प्रशासन व विद्यार्थियों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने का अवसर मिलता है।

प्रॉक्टर की तस्वीर पर पोती कालिख

धरनास्थल पर लगे पोस्टर में प्रॉक्टर की तस्वीर पर छात्रों ने कालिख पोत दी। धरने पर बैठे विद्यार्थियों का आरोप है कि प्रॉक्टर की ओर से दबाव बनाकर धरना खत्म कराने का प्रयास किया जा रहा है। छात्रों ने कहा कि वे अपनी मांग प्रशासन के सामने शांतिपूर्ण तरीके से रख रहे हैं।

Aligarh News: कठपुला पर दिखेगी भारत की विरासत

अब अलीगढ़ आने-जाने वालों को कठपुला फ्लाईओवर पर ही देश की विविध सांस्कृतिक विरासत के दर्शन होंगे। ताजमहल से लेकर केदारनाथ मंदिर और काशी विश्वनाथ से चारमीनार तक की झलक यहां दिखाई देगी।

नगर निगम ब्रिटिशकालीन कठपुला फ्लाईओवर को भारत दर्शन थीम पर विकसित करने जा रहा है। करीब 2.50 करोड़ रुपये की लागत से इसके स्लोप का सुंदरीकरण किया जाएगा।

मंगलवार को महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने भूमि पूजन कर परियोजना की शुरुआत की। जीटी रोड से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के स्लोप को आकर्षक रूप दिया जाएगा।

यहां लैंडस्केपिंग, हरियाली, कलाकृतियों और सजावटी पैनल के जरिए ऐसा स्वरूप तैयार किया जाएगा, जिसमें आधुनिकता के साथ देश की सांस्कृतिक विरासत की झलक मिलेगी।

एक नजर में दिखेंगे देश के प्रमुख स्मारक : फ्लाईओवर पर ताजमहल, कुतुब मीनार, काशी विश्वनाथ मंदिर, गेटवे ऑफ इंडिया, सांची स्तूप, कमल मंदिर, चारमीनार, सोमनाथ मंदिर, केदारनाथ मंदिर और हम्पी की सांस्कृतिक प्रतिकृतियां स्थापित की जाएंगी।

यानी राहगीरों को एक ही जगह देश के अलग-अलग हिस्सों की ऐतिहासिक और धार्मिक विरासत देखने को मिलेगी।

इसके अलावा सजावटी बैकलिट एसीपी पैनल पर पारंपरिक जाली, मोर, वेव और टाइगर पैटर्न उकेरे जाएंगे। दीवारों के कॉलम पर बेसाल्ट स्टोन क्लैडिंग की जाएगी। सैंडस्टोन बेस पर बुद्ध की प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी।

Aligarh News: 10 हजार फर्मों को मिली बड़ी राहत

केंद्रीय वित्त मंत्रालय एवं केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 से संबंधित मामलों में टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 21 अक्तूबर कर दी है। ऑडिट रिपोर्ट के अधीन आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर कर दी गई है। इस फैसले से अलीगढ़ आयकर रेंज के चार जनपदों में कार्यरत 10 हजार फर्मों को बड़ी राहत मिली है। इसमें अलीगढ़, फर्रुखाबाद, मैनपुरी और कन्नौज शामिल हैं। इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सीए अवन कुमार सिंह ने बताया कि विभिन्न चार्टर्ड अकाउंटेंट संगठनों की ओर से लगातार इसकी मांग की जा रही थी। इस संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट में वाद भी दायर किया गया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद यह राहत दी गई है। समय सीमा बढ़ने का लाभ स्थानीय व्यापारियों, उद्यमियों और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को मिलेगा। सीए आयुष वार्ष्णेय ने कहा कि अवधि बढ़ने से करदाताओं को ऑडिट रिपोर्ट और रिटर्न समय पर दाखिल करने में सुविधा होगी। चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को भी पर्याप्त अवसर मिलेगा। अलीगढ़ आयकर रेंज में अलीगढ़, फर्रुखाबाद, मैनपुरी और कन्नौज सहित चार जनपद शामिल हैं। पहले हाथरस और कासगंज इसमें भी शामिल थे, अब इन्हें आगरा आयकर रेंज में शामिल कर दिया गया है।

राज्यसभा चुनाव: सपा ने राम गोपाल और धनराज परिमल नाथवानी को बनाया उम्मीदवार, नामांकन दाखिल करने पहुंचे

राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने दोनों उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सपा ने प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी को उम्मीदवार बनाया है।राज्यसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने दोनों उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सपा ने प्रो. रामगोपाल यादव और धनराज परिमल नाथवानी को उम्मीदवार बनाया है। दोनों प्रत्याशी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में नामांकन दाखिल करने पहुंच गए हैं।धनराज परिमल नथवानी भारत के एक प्रमुख कॉरपोरेट लीडर और खेल प्रशासक हैं। वह वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज में ग्रुप प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत हैं और अंबानी परिवार के बेहद करीबी माने जाते हैं। उनके पिता परिमल नथवानी भी देश के जाने-माने उद्योगपति और राज्यसभा सांसद हैं। उन्होंने लंदन के रीजेंट बिजनेस स्कूल से इंटरनेशनल बिजनेस में स्नातक की शिक्षा प्राप्त की है। उन्हें पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण और फोटोग्राफी का शौक है और वे गुजरात के वन्यजीवों (विशेषकर गिर के शेरों) के संरक्षण से जुड़े अभियानों में भी सक्रिय रहते हैं।

सपा ने बिछाई बिसात, बागी विधायकों को भी दिया मौका

राज्यसभा चुनाव में सपा ने अपना तीसरा प्रत्याशी जिताने के लिए सियासी बिसात बिछा दी है। उसने न सिर्फ अपने बागी विधायकों के लिए मौका दिया है, बल्कि उन भाजपा विधायकों को भी ऑफर दिया है, जिन्हें आगामी विधानसभा चुनाव में अपना टिकट कटने की आशंका है। सूत्रों का कहना है कि सपा की ओर से कहा गया है कि जो विधायक इस चुनाव में साथ देगा, उसे सपा के टिकट की गारंटी होगी। 10 सीटों के लिए 16 अक्तूबर को होगा मतदान

राज्यसभा की 10 सीटों के लिए 16 अक्तूबर को मतदान होगा। इसमें यूपी विधानसभा के निर्वाचित सदस्य मतदान करेंगे। एक सीट जीतने के लिए 37 मतों की आवश्यकता है। जबकि, वर्तमान में सपा के पास 95 का संख्या बल है। इसमें पिछले राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के पक्ष में मतदान करने वाले सपा विधायक राकेश पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य शामिल नहीं हैं। इनमें से पूजा पाल भाजपा की पदाधिकारी हैं, इसलिए उनके सपा को मत देने का सवाल ही नहीं पैदा होता। शेष तीन में सपा को उम्मीद है कि दो विधायक इस राज्यसभा चुनाव में उसके साथ लौट आएंगे।

यूपी: जुड़वा बहनों की बायोमीट्रिक समान होना कोई कमाल नहीं गलती का था परिणाम; इसलिए न बन पा रहा था आधार कार्ड

यूपी के रामपुर में जुड़वा बहनों की बायोमीट्रिक समान होना कोई कमाल नहीं है। गलती का परिणाम था। खिजरा के आधार पर गलती से तूबा का बायोमीट्रिक अपडेट हुआ था। सिस्टम ने डुप्लीकेट मानते हुए आधार कार्ड को निरस्त कर दिया था।

रामपुर में जुड़वा बहनों खिजरा और तूबा के आधार कार्ड का बायोमीट्रिक समान होना न तो कोई कमाल था और न ही असाधारण बात। यह एक मानवीय गलती का परिणाम था। इसलिए आधार कार्ड नहीं बन पा रहा था। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की जांच में स्पष्ट हुआ कि दोनों का बायोमीट्रिक अलग-अलग है। दोनों बहनों का आधार चार साल तीन माह की उम्र में बना था। पांच वर्ष से कम उम्र होने के कारण उस समय उनका बायोमीट्रिक दर्ज नहीं किया गया था। पांच वर्ष की उम्र पूरी होने पर दोनों बायोमीट्रिक अपडेट कराने पहुंचीं। इसी दौरान अनजाने में खिजरा के आधार रिकॉर्ड पर तूबा का बायोमीट्रिक अपडेट हो गया। प्रक्रिया में खिजरा के आधार से संबंधित डाटा पहले सामने आया और उसमें तूबा का बायोमीट्रिक दर्ज हो गया। इसके बाद तूबा के आधार से संबंधित बायोमीट्रिक अपडेट सिस्टम ने स्वीकार नहीं किया। तूबा के फिंगरप्रिंट और रेटिना पहले से यूआईडीएआई के रिकॉर्ड में मौजूद थे। इसलिए सिस्टम ने इसे डुप्लीकेट मानते हुए तूबा का आधार निरस्त कर दिया। यानी आधार निरस्त होने की वजह दोनों बहनों का बायोमीट्रिक समान होना नहीं था। तकनीकी जांच में पकड़ी गई गलती, फिर बने आधार

मामला सामने आने पर लखनऊ स्थित यूआईडीएआई के क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई। तकनीकी जांच में प्रक्रिया के दौरान हुई गलती सामने आई। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उस आधार रिकॉर्ड को भी रद्द किया गया, जिसमें गलत तरीके से दूसरे व्यक्ति का बायोमीट्रिक दर्ज हो गया था। इसके बाद दोनों बहनों का पिता को जन्म प्रमाणपत्र के आधार पर नए सिरे से आधार नामांकन कराने को कहा गया। नए नामांकन के बाद दोनों के आधार जारी कर दिए गए।

बता दें कि 21 सितंबर को रामपुर के डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने दोनों बहनों को आधार कार्ड सौंपे थे। उस समय बताया गया था कि बायोमीट्रिक समान होने के कारण उनके आधार नहीं बन पा रहे थे। तीन महीने से उनके पिता परेशान थे। इस दावे के बाद दो व्यक्तियों के बायोमीट्रिक समान होने को लेकर सवाल उठे।

दिल्ली में ट्रक बुकिंग के नाम पर ठगी: दो जालसाजों को दबोचा

शिकायतकर्ता को ट्रक की व्यवस्था करने के लिए अग्रिम भुगतान करने के लिए प्रेरित किया गया था। हालांकि, वादा किया गया वाहन कभी उपलब्ध नहीं कराया गया। इस धोखाधड़ी के बाद शिकायतकर्ता ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की।

आरोपी खुद को बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनियों के कर्मचारी बताते थे। वे ग्राहकों को विश्वास दिलाते थे कि वे कम कीमत पर ट्रक उपलब्ध करा सकते हैं। इसके लिए वे ग्राहकों से अग्रिम भुगतान की मांग करते थे। एक बार भुगतान मिलने के बाद, वे न तो ट्रक भेजते थे और न ही पैसे वापस करते थे। यह एक सुनियोजित धोखाधड़ी थी जिसका उद्देश्य लोगों को ठगना था।

दिल्ली पुलिस के साइबर पुलिस स्टेशन, दक्षिण जिला ने फर्जी लॉजिस्टिक्स सर्विस धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है।राजधानी दिल्ली में फर्जी लॉजिस्टिक्स कंपनी के नाम पर ठगी करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी लॉजिस्टिक्स कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर ग्राहकों को ठग रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ट्रक बुकिंग सेवाओं का वादा करके ग्राहकों से पैसे ऐंठते थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमन (19) और नरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। अमन गाजियाबाद का रहने वाला है और नरेंद्र कुमार कापसहेड़ा का निवासी है। दोनों आरोपी डिलीवरी बॉय के रूप में काम करते थे। पुलिस के अनुसार, 5 सितंबर को साइबर पुलिस स्टेशन, दक्षिण में एक ई-एफआईआर दर्ज की गई थी।

यूपी: अपने ही वोट बैंक को बचाने की भाजपा को लड़नी होगी जंग अखिलेश यादव का ये नया जातीय गणित होगी बड़ी परीक्षा

यूपी विधानसभा चुनाव में अपने ही वोट बैंक को बचाने के लिए भाजपा को जंग लड़नी होगी। अखिलेश यादव का नया जातीय गणित बड़ी परीक्षा होगी। सपा ब्राह्मण, गैर जाटव दलित, गैरयादव ओबीसी पर दांव लगाएगी। सपा की इस नई रणनीति से भाजपा की चिंता बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में भाजपा जिस सामाजिक गठजोड़ के सहारे चुनाव दर चुनाव जीतती रही है, सपा की रणनीति अब इसी में सेंध लगाने की है। लोकसभा चुनाव में नए जातीय समीकरण को मिली सफलता के बाद सपा की रणनीति मुस्लिम यादव की पार्टी की छवि से बाहर निकल कर गैर यादव ओबीसी, गैरजाटव दलित और ब्राह्मण बिरादरी को टिकट बंटवारे में अधिक तरजीह देने की है। लोकसभा चुनाव की तरह ही इस वर्ग ने अगर पार्टी पर जाति को तरजीह दी तो मुकाबला दिलचस्प होगा। भाजपा के सामने अपने आधार वोट बैंक को एकजुट रखने के साथ सपा के इस चक्रव्यूह को भेदने की चुनौती बड़ी हो जाएगी।सपा की इस नई रणनीति से भाजपा की चिंता बढ़ी है। राज्य के वरिष्ठ नेता व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के मुताबिक पार्टी की सबसे बड़ी चुनौती गैर यादव ओबीसी, गैरजाटव दलित को फिर से साधने की है जिसका बड़ा हिस्सा बीते लोकसभा चुनाव में सपा के साथ चला गया।लोकसभा के 2014, 2019 और बीते दो विधानसभा में भाजपा के साथ रहे इस वर्ग में बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रति पुराना समर्पण वाला भाव नहीं रहा।

क्या है सपा की रणनीति

बीते चुनाव में सपा गठबंधन ने मुस्लिम यादवों के बीच करीब सवा सौ टिकट बांट दिए थे। इससे भाजपा को गैरयादव ओबीसी को साधने में आसानी हुई थी। इस बार सपा की योजना यादव और मुसलमानों के लिए टिकट की संख्या 80-85 सीटों तक सीमित करने की है। कुछ ऐसी सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार खड़ा करने की है, जहां मुस्लिम-यादव-दलित मतदाताओं को मिला कर अजेय स्थिति पैदा हो। इसके अलावा अगड़ों में ब्राह्मण बिरादरी, ओबीसी में कुर्मी, निषाद को थोक के भाव में टिकट देने और सैनी, गुर्जर, राजभर, पाल, प्रजापति को ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की है। लोकसभा चुनाव में सपा ने यादव बिरादरी से महज पांच और मुस्लिम बिरादरी से महज चार उम्मीदवार मैदान में उतारे थे।सपा गठबंधन ने करीब 128 यादव-मुस्लिम, इतने ही गैर यादव ओबीसी, 86 दलित व करीब 60 अगड़े उम्मीदवार उतारे थे। राजग ने गैरयादव ओबीसी को करीब 135, यादव बिरादरी के 15, अगड़ी जातियों के करीब 140, दलित बिरादरी के 85 और वैश्य बिरादरी के करीब 30 से 35 उम्मीदवार उतारे थे।

कानून व्यवस्था होगा भाजपा का अहम मुद्दा

भाजपा में एक वर्ग का मानना है कि चुनाव के नजदीक आते-आते मुकाबला योगी बनाम अखिलेश हो जाएगा। इसका सीधा लाभ भाजपा को होगा। जैसे बिहार में शुरुआती परिस्थिति राजग के खिलाफ थी, मगर चुनाव के नजदीक आते आते जब मुकाबला नीतीश-बनाम तेजस्वी हुआ तो राजग को बेहतर कानून व्यवस्था के सवाल पर प्रचंड जीत मिली।

दिव्या मित्तल लड़ेंगी निर्दलीय: चुनावी अखाड़े में कूदने को पूर्व नौकरशाह तलाश रहे मजबूत ठीहा; अब ये हैं मंत्री

पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने मंगलवार को साफ कर दिया कि वह राजनीति में उतरेंगी। उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हालांकि निर्दलीय चुनाव जीतना खासा मुश्किल है। बड़े दलों का दामन थामे बिना राह मुश्किल हो जाती है। कई पूर्व आईएएस राजनीति में अपनी किस्मत आजमा चुके हैं। पूर्व आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने तो अपनी सियासी पारी व मुद्दों का तो ऐलान कर दिया, साथ ही यह भी बता दिया कि वह निर्दलीय ही विधानसभा का चुनाव लड़ेंगी। पर यूपी में तमाम पूर्व आईएएस व पूर्व आईपीएस अधिकारी माननीय बनने की होड़ में मजबूत ठीहा तलाश रहे हैं। इनके जरिए टिकट पाने की कोशिशें अभी पर्दे के पीछे चल रही हैं। जब पर्दा उठेगा तो पता चलेगा कि तमाम पूर्व नौकरशाह जनता के बीच वोट मांगते दिखेंगे। इसी साल यूपी से कई आईएएस अधिकारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का ऐलान किया। इसमें एक अधिकारी राकेश वर्मा हैं जो पिछले दिनों कांग्रेस में शामिल हो गए। इंडियन पॉलिटिकल जस्टिस पार्टी का गठन करने वाले पूर्व आईपीएस बीपी अशोक ने भी कांग्रेस का दामन थाम लिया। इन दोनों को कांग्रेस व सपा गठबंधन में इन्हें भी टिकट मिल जाए तो कोई हैरत नहीं।

राज्यसभा चुनाव के लिए भी होड़

राज्यसभा चुनाव के लिए सपा की ओर से आलोक रंजन को फिर से प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा है। यूपी के मुख्य सचिव रह चुके आलोक रंजन को सपा ने पिछले चुनाव में उतारा था। भारतीय जनता पार्टी की ओर से केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी को दोबारा राज्यसभा भेजने की चर्चा चल रही है।

भाजपा से ही राज्यसभा सदस्य व पूर्व आईपीएस अधिकारी बृजलाल के भी पुन: टिकट दिए जाने प्रबल संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी ने सेवानिवृत्ति के बाद भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की और राज्यसभा सांसद बने।

यूपी सरकार में दो पूर्व नौकरशाह अब हैं मंत्री

कभी मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल में उनके सुरक्षा अधिकारी रहे असीम अरुण इस वक्त यूपी सरकार में मंत्री हैं। असीम अरुण आईपीएस की नौकरी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। यूपी के बिजली मंत्री अरविंद कुमार शर्मा गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रह चुके हैं।असीम अरुण जहां विधानसभा चुनाव जीत कर मंत्री बने, वहीं अरविंद कुमार शर्मा विधान परिषद सदस्य बने। कभी मुलायम सिंह यादव व मायावती के प्रमुख सचिव रहे पीएल पुनिया कांग्रेस के जरिए बाराबंकी से सांसद रह चुके हैं।कभी मुलायम सिंह यादव व मायावती के प्रमुख सचिव रहे पीएल पुनिया कांग्रेस के जरिए बाराबंकी से सांसद रह चुके हैं। विजय शंकर पांडेय, हरिश्चंद्र, चंद्रपाल समेत कई पूर्व आईएएस अधिकारियों ने अपनी अपनी पार्टी बनाई, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। कुंवर फतेह बहादुर सिंह मायावती सरकार में प्रमुख सचिव गृह रहे। रिटायर होने के बाद पहले बसपा में रहे व अब सपा में हैं।

एसआईआर बना सिर दर्द!: तीन दिन में दो बार बदले बीएलओ, नंबर आयोग ने भेजा, फोन किया तो बोले-आप कौन?

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया शुरू होते ही आवेदकों को नई उलझनों का सामना करना पड़ रहा है। फॉर्म-6 भरने के बाद चुनाव आयोग के संदेशों में सत्यापन के लिए अलग-अलग बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के नाम और नंबर आ रहे हैं मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया शुरू करते ही आवेदक नई उलझन में फंस रहे हैं। फॉर्म-6 भरने के बाद चुनाव आयोग की ओर से मोबाइल पर भेजे जा रहे संदेशों में सत्यापन के लिए अलग-अलग बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के नाम और नंबर सामने आ रहे हैं। परेशानी तब बढ़ जाती है, जब आवेदक संदेश में दिए गए नंबर पर संपर्क करते हैं और संबंधित बीएलओ उन्हें अपना आवेदक मानने से ही इन्कार कर देते हैं।

यानी आयोग के संदेश में जिस अधिकारी को सत्यापन की जिम्मेदारी दी जा रही है, फोन पर वही अधिकारी इससे अनजान नजर आता है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां मतदाता बनने की पहली सीढ़ी पर ही आवेदकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

एक्सप्लेनर: स्मॉग वाले मौसम से निपटने का दिल्ली सरकार का क्या प्लान, पिछले पांच साल में कितने बदले हालात?

दिल्ली-एनसीआर में सर्दियां आते ही प्रदूषण बढ़ने लगता है और हवा की गुणवत्ता चिंता का विषय बन जाती है। इस बार दिल्ली सरकार ने प्रदूषण हॉटस्पॉट, वाहनों, धूल और कचरा प्रबंधन को लेकर कई कदम तय किए हैं। लेकिन क्या इन तैयारियों से हालात बदल पाएंगे? पिछले पांच साल में दिल्ली की हवा कितनी बदली और इस बार सरकार का प्लान क्या है? आइए जानते हैं।

पहले कौन-कौन से कदम उठाए गए?

दिल्ली सरकार की ओर से 3 जून 2025 को 25 सूत्री वायु प्रदूषण नियंत्रण कार्ययोजना शुरू की गई। इसमें पूरे साल प्रदूषण के अलग-अलग स्रोतों को नियंत्रित करने के उपाय शामिल किए गए। योजना में सड़क की धूल, निर्माण और तोड़फोड़ का कचरा, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, खुले में कचरा और जैव ईंधन जलाना, औद्योगिक प्रदूषण, वायु गुणवत्ता की निगरानी, हरियाली और लोगों की भागीदारी जैसे क्षेत्र शामिल किए गए।

सड़क की धूल कम करने के लिए 76 यांत्रिक सड़क सफाई मशीनें, 283 पानी के छिड़काव वाली मशीनें और टैंकर तथा 406 एंटी-स्मॉग गन तैनात की गईं। धूल नियंत्रण से जुड़े नियमों की जांच के लिए 536 गश्ती दल लगाए गए।

500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र वाली निर्माण और तोड़फोड़ साइटों के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाया गया। 20 जनवरी 2026 तक 1,742 निर्माण साइटें पोर्टल पर पंजीकृत की गईं, जिनमें 808 सक्रिय थीं।

5,000 वर्ग मीटर से अधिक निर्मित क्षेत्र वाली 281 सक्रिय साइटों पर 608 एंटी-स्मॉग गन तैनात की गईं। निर्माण और तोड़फोड़ के कचरे के 100 प्रतिशत प्रसंस्करण और पुनर्चक्रित उत्पादों के दोबारा इस्तेमाल का लक्ष्य रखा गया। इसके अलावा कई अन्य कदम भी उठाए गए हैं।

दिल्ली एनसीआर में अक्तूबर-नवंबर आते ही सबसे ज्यादा चर्चा यहां के एक्यूआई की होती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की हवा जहरीली होने लगती है। हर साल प्रदूषण कम करने की बातें होती हैं, लेकिन नतीजा वही रहता है। इस साल दिल्ली सरकार ने इससे निपटने की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। सोमवार को इसे लेकर राज्य सरकार की बैठक भी हुई। इस दौरान कई फैसले हुए।

ऐसे में सवाल है कि प्रदूषण रोकने के लिए इस बैठक में क्या फैसले हुए? आने वाले दिनों में किस तरह के कदम उठाने की तैयारी है? बीते वर्षों में दिल्ली की हवा अक्तूबर से जनवरी के दौरान कैसी रही है? वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए किस तरह के कदम उठाए गए? उनका क्या असर हुआ है? आइये जानते हैं...

दिल्ली सरकार की बैठक में क्या फैसला हुआ?

- दिल्ली के 37 चिह्नित प्रदूषण वाले इलाकों में 10 अक्तूबर तक जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया गया। हर इलाके में प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों के आधार पर अलग कार्रवाई तय करने की बात कही गई।
- दिल्ली के सभी 500 स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली वाले पेट्रोल पंपों पर 'बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र ईंधन नहीं' अभियान चलाने का फैसला किया गया। इसके तहत वाहन चालकों के प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र की जांच और जागरूकता अभियान चलाया जाना है।
- 1 से 10 अक्तूबर के बीच दिल्ली मेट्रो सारथी ऐप को अपनाने के लिए अभियान चलाने का फैसला किया गया। इसके लिए आवासीय समितियों और जनप्रतिनिधियों के साथ डाउनलोड शिविर लगाए जाने हैं।
- प्रदूषण और यातायात वाले इलाकों में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, आरडब्ल्यूए, व्यापारियों और यातायात पुलिस के साथ नियमित निरीक्षण करने का फैसला किया गया।
- दिल्ली में 1,193 किलोमीटर सड़क का पुनर्विकास पूरा किया गया है। बाकी काम 15 नवंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।
- कचरा प्रबंधन और खुले में कचरा जलाने पर रोक के लिए वार्ड स्तर पर निगरानी बढ़ाने का फैसला किया गया है। 15 अक्तूबर तक वार्ड और जिला स्तर पर निगरानी दल तैनात करने की योजना बनाई गई है।
- निर्माण और तोड़फोड़ से पैदा होने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए 1 नवंबर से 31 जनवरी तक धूल पैदा करने वाली तोड़फोड़ और बाहरी निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाने का फैसला किया गया है।
- सर्दियों में प्रदूषण बढ़ने की स्थिति में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध, पार्किंग शुल्क दोगुना करने, कार्यालयों के समय में बदलाव और 50 प्रतिशत घर से काम की व्यवस्था जैसे कदम तय किए गए हैं।
- 1 नवंबर 2026 से दिल्ली के बाहर पंजीकृत और बीएस-6 से नीचे के उत्सर्जन मानक वाले वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने का फैसला किया गया है। सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को इससे छूट दी गई है।
- औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी मजबूत करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नियंत्रण केंद्र शुरू करने, निगरानी केंद्रों की संख्या 47 से बढ़ाकर 60 करने और 334 प्रवर्तन दल तैनात करने का फैसला किया गया है।

अब तक कैसी रही दिल्ली की हवा?

- एक्यूआई डॉट इन के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में जनवरी में 2 दिन मध्यम, 13 दिन खराब, 12 दिन अस्वस्थ और 4 दिन खतरनाक श्रेणी में रहे। नवंबर में 7 दिन अस्वस्थ, 21 दिन गंभीर और 2 दिन खतरनाक रहे। दिसंबर में 7 दिन अस्वस्थ, 22 दिन गंभीर और 2 दिन खतरनाक रहे।

2023 में कैसी रही हवा?

- जनवरी में 1 दिन खराब, 9 दिन अस्वस्थ, 18 दिन गंभीर और 3 दिन खतरनाक श्रेणी में रहा।
- अक्तूबर में 12 दिन खराब, 14 दिन अस्वस्थ और 5 दिन गंभीर रहे।
- नवंबर में 4 दिन अस्वस्थ, 12 दिन गंभीर और 13 दिन खतरनाक रहे।
- दिसंबर में 3 दिन अस्वस्थ, 22 दिन गंभीर और 6 दिन खतरनाक रहे।

2024 में कैसी रही हवा?

- जनवरी में 24 दिन खराब और 7 दिन गंभीर रहे।
- अक्तूबर में 11 दिन खराब, 1 दिन अस्वस्थ और 19 दिन गंभीर रहे।
- नवंबर में 1 दिन अस्वस्थ, 19 दिन गंभीर और 10 दिन खतरनाक रहे।
- दिसंबर में 16 दिन अस्वस्थ, 8 दिन गंभीर और 7 दिन खतरनाक रहे।

2025 में कैसी रही हवा?

- जनवरी में 10 दिन मध्यम, 20 दिन खराब और 1 दिन खतरनाक रहा।
- अक्तूबर में 1 दिन मध्यम, 6 दिन खराब, 10 दिन अस्वस्थ, 12 दिन गंभीर और 2 दिन खतरनाक रहे।
- नवंबर में 2 दिन अस्वस्थ, 6 दिन गंभीर और 22 दिन खतरनाक रहे।
- दिसंबर में 11 दिन अस्वस्थ और 20 दिन गंभीर रहे।

2026 में कैसे रही हवा की गुणवत्ता?

सितंबर 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 47 दिन हवा मध्यम, 134 दिन खराब, 47 दिन अस्वस्थ, 29 दिन गंभीर और 14 दिन खतरनाक श्रेणी में रही। इस तरह सितंबर तक सबसे ज्यादा 134 दिन हवा खराब श्रेणी में रही। इसके बाद 47 दिन मध्यम और 47 दिन अस्वस्थ श्रेणी में रहे। गंभीर श्रेणी के 29 दिन और खतरनाक श्रेणी के 14 दिन दर्ज किए गए।

आतंकी से तुलना पर विवाद: पूर्व आईएएफ अधिकारी ने राहुल गांधी पर की टिप्पणी, कांग्रेस सेवादल ने दर्ज कराई शिकायत

राहुल गांधी की तस्वीर को 26/11 के आतंकी की तस्वीर के साथ जोड़कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने के बाद विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस सेवादल की लीगल सेल ने पूर्व आईएएफ अधिकारी के खिलाफ साइबर शिकायत दर्ज कराई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 26/11 मुंबई हमले के दोषी आतंकी अजमल कसाब से तुलना करने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस सेवादल की लीगल सेल ने रिटायर्ड भारतीय वायुसेना आधिकारिक फ्लाइट लेफ्टिनेंट अनूप वर्मा के खिलाफ साइबर शिकायत दर्ज कराई है। वर्मा ने एक्स पर राहुल गांधी और कसाब की तस्वीरों का एक कोलाज साझा किया था।

पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

अनूप वर्मा ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें राहुल गांधी और अजमल कसाब दोनों की तस्वीरें दिखाई गई थीं। पोस्ट में राहुल गांधी की तस्वीर बाईं ओर थी। इसके साथ वर्मा ने लिखा कि उनके अनुसार बाईं ओर मौजूद व्यक्ति भारत के लिए ज्यादा खतरनाक है। पोस्ट सामने आने के बाद इस तुलना को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस सेवादल की लीगल सेल ने इसे लेकर साइबर शिकायत दर्ज कराई और मामले को कानूनी माध्यमों से आगे ले जाने की बात कही।

कांग्रेस सेवादल ने क्या कहा?

कांग्रेस सेवादल की लीगल सेल ने कहा कि वह पार्टी और उसके नेताओं या सदस्यों को निशाना बनाने वाले कथित दुर्भावनापूर्ण या गैरकानूनी कृत्यों को स्वीकार नहीं करेगी। संगठन ने कहा कि मामले में संविधान, भारतीय न्याय संहिता (BNS) और लागू साइबर कानूनों के तहत उपलब्ध कानूनी उपायों का सहारा लिया जाएगा। संगठन ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जिक्र करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत मिले अधिकारों पर कानून के अनुसार उचित प्रतिबंध भी लागू होते हैं। उसने कहा कि किसी भी मामले में जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक होनी चाहिए।

रिटायर्ड IAF अधिकारी ने भी जताई आपत्ति

रिटायर्ड भारतीय वायुसेना अधिकारी सार्जेंट कर्मवीर सिंह ने भी वर्मा की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन राजनीतिक नेताओं की आलोचना करते समय सम्मान और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। सिंह ने राहुल गांधी की तुलना एक दोषसिद्ध आतंकवादी से किए जाने पर आपत्ति जताई और कहा कि किसी नेता की नीतियों या राजनीतिक विचारों की आलोचना की जा सकती है, लेकिन ऐसी तुलना से बचना चाहिए।

कौन था अजमल कसाब?

अजमल कसाब 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमलों में शामिल 10 आतंकवादियों में अकेला जीवित पकड़ा गया था। 26 से 29 नवंबर के बीच मुंबई में हुए इन हमलों में 166 लोगों की मौत हुई थी और 238 लोग घायल हुए थे। कसाब को मुंबई की विशेष अदालत ने कई अपराधों में दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने इसे बरकरार रखी और 29 अगस्त 2012 को सुप्रीम कोर्ट ने उसकी अपील खारिज करते हुए मौत की सजा की पुष्टि की। 21 नवंबर 2012 को पुणे की यरवदा जेल में उसे फांसी दी गई।

महाराष्ट्र: मुंबई के होटल में खाने में मिला चूहा, शख्स की बिगड़ी तबीयत; एफडीए ने सस्पेंड किया लाइसेंस

मुंबई के बोरीवली वेस्ट स्थित राधाकृष्ण होटल में डोसे में चूहा मिलने का दावा किया गया है। शख्स ने कुछ निवाले खाने के बाद चूहा देखने और उल्टी होने की शिकायत की। पुलिस ने मामला एफडीए को भेजा। जांच के बाद एफडीए ने होटल का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया।

त्योहारों के मौसम में महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) की ओर से खाने-पीने की जगहों और डेयरियों के खिलाफ राज्य भर में कार्रवाई की जा रही। इसी बीच, मुंबई के बोरीवली वेस्ट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां राधाकृष्ण होटल में परोसे गए डोसे में कथित तौर पर एक चूहा मिला। इस कार्रवाई का नेतृत्व एफडीए प्रमुख तुकाराम मुंडे कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, अमित त्रिवेदी अपने दो भाइयों और बेटे के साथ साउथ इंडियन खाना खाने के लिए होटल गए थे। उन्होंने मैसूर मसाला डोसा ऑर्डर किया। त्रिवेदी का दावा है कि कुछ निवाले खाने के बाद उन्हें डोसे में एक छोटा चूहा दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि यह देखकर त्रिवेदी बुरी तरह घबरा गए और उन्हें उल्टी होने लगी। इसके बाद उन्होंने बोरीवली पुलिस से संपर्क किया और उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी।

पुलिस ने क्या बताया?

बोरीवली पुलिस स्टेशन की सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर पुष्पालता मंडले ने बताया कि पुलिस ने शिकायत एफडीए को भेज दी थी, जिसके बाद विभाग ने होटल के खिलाफ कार्रवाई की। मामले की आगे जांच चल रही है। एफडीए के एक अधिकारी ने बताया कि राधाकृष्ण होटल का लाइसेंस फिलहाल सस्पेंड कर दिया गया है।

महाराष्ट्र एफडीए ने की कार्रवाई

सोमवार को महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने मुंबई के मशहूर ईरानी कैफे और रेस्टोरेंट 'क्यानी एंड कंपनी' का 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (FSSAI) लाइसेंस सस्पेंड कर दिया। एफडीए चीफ तुकाराम मुंढे की अगुवाई में हुई जांच में कैफे के खाना बनाने और स्टोर करने की जगहों पर साफ-सफाई से जुड़ी कई कमियां पाई गईं। जांच टीम को वहां चूहों की गंदगी, जिंदा मक्खियां और मरे हुए कॉकरोच मिले, साथ ही परिसर में बिल्लियां भी घूमती दिखीं। एक रेफ्रिजरेटर के अंदर काफी मात्रा में खून भी जमा हुआ मिला।

त्योहारों के मौसम में महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) की ओर से खाने-पीने की जगहों और डेयरियों के खिलाफ राज्य भर में कार्रवाई की जा रही। इसी बीच, मुंबई के बोरीवली वेस्ट से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां राधाकृष्ण होटल में परोसे गए डोसे में कथित तौर पर एक चूहा मिला। इस कार्रवाई का नेतृत्व एफडीए प्रमुख तुकाराम मुंडे कर रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, अमित त्रिवेदी अपने दो भाइयों और बेटे के साथ साउथ इंडियन खाना खाने के लिए होटल गए थे। उन्होंने मैसूर मसाला डोसा ऑर्डर किया। त्रिवेदी का दावा है कि कुछ निवाले खाने के बाद उन्हें डोसे में एक छोटा चूहा दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि यह देखकर त्रिवेदी बुरी तरह घबरा गए और उन्हें उल्टी होने लगी। इसके बाद उन्होंने बोरीवली पुलिस से संपर्क किया और उन्हें घटना के बारे में जानकारी दी।

प्रदूषण घटाने की योजना में अब एलएनजी वाहन भी शामिल होंगे: सरकार कर रही विचार; किसे मिलेगा फायदा

केंद्र सरकार प्रदूषण घटाने वाली परिवर्तन योजना का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रही है। इसमें ईवी और सीएनजी के साथ एलएनजी से चलने वाली बसों और ट्रकों को भी शामिल किया जा सकता है। अगर फैसला हुआ तो पुराने कमर्शियल वाहनों को बदलने वालों को क्या फायदा मिलेगा? पढ़िए इस रिपोर्ट में।शहरों में प्रदूषण कम करने के लिए लाई गई केंद्र सरकार की परिवर्तन योजना को लेकर एक बड़ा अपडेट है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), सीएनजी और बीएस वाहनों के साथ-साथ अब एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) वाहनों को भी शामिल करने पर विचार कर रही है। यदि ऐसा हुआ तो एलएनजी वाहन मालिकों के साथ-साथ निर्माताओं को भी इसका बड़ा फायदा मिलेगा।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की इस योजना का मकसद प्रदूषण फैलाने वाले पुराने कमर्शियल वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाकर उनकी जगह स्वच्छ और आधुनिक वाहन लाना है। इस योजना के तहत यह प्रावधान है कि बस और ट्रक ईवी, सीएनजी या बीएस-6 मानक वाले होने चाहिए, और सरकार पुराने वाहनों को बदलने के लिए वाहन मालिकों को प्रोत्साहित कर रही है। मंत्रालय के अनुसार, जून 2026 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक दिल्ली-एनसीआर में 14,000 से अधिक बस और ट्रकों का पंजीकरण हो चुका है, जबकि अगले महीने यानी अक्तूबर के अंत तक 25,000 पंजीकरण का लक्ष्य रखा गया है। लंबी दूरी के भारी वाहनों के लिए खास है एलएनजी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने एलएनजी को खासकर लंबी दूरी के भारी ट्रकों और बसों के लिए एक बेहतरीन वैकल्पिक ईंधन के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है। बोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 2030 तक 30,000 एलएनजी वाहन होने का अनुमान है, जबकि 2040 तक इनकी संख्या बढ़कर 2 लाख से 5 लाख तक पहुंच सकती है।

म्यूचुअल फंड: ज्यादा पैसा मतलब बेहतर फंड नहीं! छोटे फंड ने बड़े फंड को रिटर्न में कैसे पछाड़ा

लार्ज कैप फंड की तस्वीर

लार्जकैप कैटेगरी में सबसे ज्यादा एयूएम आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड का है। म्यूचुअल फंड उद्योग संगठन एंफी के 24 सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, इस फंड का एयूएम करीब 72,282 करोड़ रुपये है। पिछले एक साल में इस फंड ने करीब 6 फीसदी का निगेटिव रिटर्न दिया है। एसबीआई लार्जकैप, निप्पॉन इंडिया लार्जकैप और एचडीएफसी लार्जकैप जैसे बड़े फंड भी दबाव में रहे। वहीं, सिर्फ 62 करोड़ रुपये एयूएम वाला टॉरस लार्ज कैप फंड करीब 7 फीसदी रिटर्न देने में सफल रहा। यानी जिस फंड में हजारों करोड़ रुपये लगे हैं, वह पीछे रह गया और छोटे फंड ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निवेशकों का सलाह

सिर्फ बड़े एयूएम देखकर फंड न चुनें।
पिछले 3, 5 और 7 साल का रिटर्न देखें।
यह भी देखें कि फंड ने बाजार गिरने पर कितना नुकसान दिया।
फंड के पोर्टफोलियो और जोखिम को समझें।
छोटे एयूएम का मतलब बेहतर फंड नहीं होता।
एक साल के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला न करें।

म्यूचुअल फंड में ज्यादा एयूएम को अक्सर बेहतर प्रदर्शन से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन हाल के आंकड़े अलग तस्वीर दिखा रहे हैं। एक साल के रिटर्न में कई कम एयूएम वाले फंड बड़े और लोकप्रिय फंड से आगे निकल गए। तो क्या फंड चुनते समय सिर्फ एयूएम देखना सही है? पढ़िए रिपोर्ट

स्मॉलकैप में भी छोटे फंडों का प्रदर्शन बेहतर

स्मॉल कैप कैटेगरी में भी ऐसी ही तस्वीर दिखाई देती है। बैंक ऑफ इंडिया स्मॉल कैपफंड का एयूएम करीब 3,601 करोड़ रुपये है। इसने पिछले एक साल में करीब 27% रिटर्न दिया है। यूनियन स्मॉल कैप और आईटीआई स्मॉल कैप ने भी करीब 21% रिटर्न दिया। वहीं, सिर्फ 847 करोड़ रुपये एयूएम वाले एलआईसी एमएफ स्मॉल कैप फंड ने 15% से ज्यादा रिटर्न दिया है। मिडकैप कैटेगरी में भी बड़ा अंतर

मिडकैप कैटेगरी में एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा एयूएम वाले एचडीएफसी मिडकैप फंड ने पिछले एक साल में 6 फीसदी से कम रिटर्न दिया। वहीं, सिर्फ 1,483 करोड़ रुपये एयूएम वाले आईटीआई मिडकैप फंड ने 10 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। मल्टीकैप और लार्ज एंड मिडकैप फंडों में भी कई छोटी योजनाओं ने बड़े फंडों के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है।

जुलाई-अगस्त की सुस्ती के बाद सीमेंट महंगा: सितंबर में सात रुपये बढ़े दाम; आगे कितनी बढ़ेगी कीमत?

सितंबर में सीमेंट की कीमतों ने फिर रफ्तार पकड़ी और देशभर में औसत भाव 7 रुपये बढ़कर 356 रुपये प्रति बोरी हो गया। ईंधन महंगा होने और निर्माण गतिविधियों में सुधार के बीच कंपनियां अक्तूबर में भी 5 से 20 रुपये तक दाम बढ़ाने की कोशिश कर सकती हैं। इस बढ़ोतरी का असर ग्राहकों की जेब पर कितना पड़ेगा? पढ़िए इस रिपोर्ट में।निर्माण क्षेत्र और घर खरीदारों के लिए एक जरूरी खबर है। जुलाई और अगस्त के महीनों में सुस्त रहने के बाद सितंबर में सीमेंट की कीमतों में तेजी लौटी है। सेंट्रम ब्रोकिंग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर में देशभर में सीमेंट की औसत खुदरा कीमत में 7 रुपये प्रति बोरी (50 किलो) की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे यह बढ़कर 356 रुपये प्रति बोरी पर पहुंच गई है।रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर महीने में ट्रेड और नॉन-ट्रेड दोनों सेगमेंट में कीमतें बढ़ी हैं, हालांकि अधिकांश बाजारों में नॉन-ट्रेड कीमतों में ज्यादा तेजी देखने को मिली है। क्षेत्रीय स्तर पर बात करें तो, दक्षिण भारत सबसे आगे रहा, यहां प्रति बोरी 11 रुपये की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। लेकिन सितंबर के अंत तक कई बाजारों में कंस्ट्रक्शन गतिविधियों में सुधार देखा गया है, जिससे जल्द ही अब इस बढ़ोतरी का असर ग्राहकों की जेब पर भी दिखेगा।

पश्चिम भारत में औसतन 9 रुपये प्रति बोरी का उछाल आया, मध्य, पूर्व और उत्तर भारत तीनों क्षेत्रों में सीमेंट की कीमतों में 5-5 रुपये प्रति बोरी की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, जुलाई और अगस्त की कमजोरी के चलते वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में अखिल भारतीय औसत ट्रेड मूल्य 351 रुपये प्रति बोरी पर रहा, जो पिछली तिमाही के मुकाबले एक रुपये कम है। रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है कि सीमेंट कंपनियां अक्तूबर में एक बार फिर कीमतों में 5 से 20 रुपये प्रति बोरी तक की बढ़ोतरी करने की कोशिश कर सकती हैं। हालांकि, इन बढ़ी हुई कीमतों का टिक पाना पूरी तरह से मांग में सुधार और डीलरों की स्वीकृति पर निर्भर करेगा। हाल के हफ्तों में ईंधन की कीमतों में आए उछाल के बाद कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ा है, जिसे थामने के लिए दाम बढ़ाना मजबूरी है। ग्राहकों तक नहीं असर

खास बात यह है कि कंपनियों की ओर से बिलिंग रेट बढ़ाने के बावजूद कई बाजारों में यह बढ़ोतरी पूरी तरह ग्राहकों तक नहीं पहुंची है, क्योंकि डीलर अपने तिमाही लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पुराने दामों पर ही माल बेचते रहे। हालांकि, मानसून के असर के कारण जुलाई-अगस्त में मांग सीमित रही थी,

वित्त मंत्री: कतर में यूपीआई विस्तार पर निर्मला सीतारमण ने की चर्चा, 10 अरब डॉलर के निवेश पर जोर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कतर के वित्त मंत्री अली बिन अहमद अल कुवारी से मुलाकात की। इस दौरान यूपीआई विस्तार, 10 अरब डॉलर के निवेश और द्विपक्षीय निवेश समझौते पर चर्चा हुई, जिससे भारत-कतर संबंध मजबूत होंगे।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कतर के वित्त मंत्री अली बिन अहमद अल कुवारी से मुलाकात की। यह बैठक एआईआईबी की वार्षिक बैठक के इतर हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच भारतीय यूपीआई प्रणाली के विस्तार पर अहम चर्चा हुई।

सीतारमण ने द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईटी) को अंतिम रूप देने का भी आग्रह किया। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर बताया कि नेताओं ने कतर में भारतीय यूपीआई भुगतान के विस्तार पर बात की। उन्होंने भारत में 10 अरब डॉलर की कतरी निवेश प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की। राष्ट्रीय अवसंरचना और निवेश कोष (एनआईआईएफ) के साथ जुड़ाव पर भी विचार-विमर्श हुआ। मंत्रालय ने यह भी बताया कि दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) भी चर्चा का विषय रहा। यह समझौते व्यापार, निवेश और कर निश्चितता के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करेगा। सीतारमण ने भारत के कतर नेतृत्व के साथ हाल के जुड़ावों को याद किया।

बैठक के मुख्य बिंदु क्या थे?

बैठक में कतर में भारतीय यूपीआई भुगतान प्रणाली के विस्तार पर जोर दिया गया। भारत में कतर की 10 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता के कार्यान्वयन पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय अवसंरचना और निवेश कोष (एनआईआईएफ) के साथ जुड़ाव भी एक महत्वपूर्ण विषय था। द्विपक्षीय निवेश समझौते को अंतिम रूप देने पर भी बात हुई।

कतर ने भारतीय समुदाय को क्यों सराहा?

कतर के वित्त मंत्री ने कतर की सफलता की कहानी में भारतीय समुदाय के योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार, वित्त और निवेश संबंधों को मजबूत करने के बड़े अवसरों की आशा व्यक्त की। यह मुलाकात दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर सहमति बनी।

सोने का आयात: वित्तीय वर्ष 2027 में भारत के सोने का आयात घटने की संभावना, रिपोर्ट में क्या सामने आया?

वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में कैसे रहे आंकड़े?

रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027 के पहले पांच महीनों में सोने का आयात 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के 16.9 अरब अमेरिकी डॉलर का था। रिपोर्ट कहती है, वित्त वर्ष 2026 में कुल आयात 72 अरब अमेरिकी डॉलर का था। रिपोर्ट का दावा है, हाल में सरकार द्वारा सोने के आयात शुल्क में छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने की वजह से घरेलू बाजार में सोने की खरीदारी में कमी आई है। वहीं सोने की रिकॉर्ड कीमतों में वृद्धि के साथ आयात शुल्क में दोहरे अंकों की वृद्धि ने घरेलू बाजार में सोने की कीमतों को बढ़ा दिया है। रिपोट कहती है, यदि सरकार आयात शुल्क में कटौती करती हैं, तो सोने का आयात सामान्य स्तर पर वापस आ सकता है।रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है, कराधान संरचना में बदलाव से सोने के आयात को कम करने, परिवारों को मौजूदा सोने का पुनर्चक्रण करने के लिए प्रोत्साहित करने और सरकारी राजस्व की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इस लंबे समय से सोने पर उच्च जीएसटी दरों और कम आयात शुल्क के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में तर्क दे रहे हैं

वित्त वर्ष 2027 में भारत के सोने के आयात में 88 अरब अमेरिकी डॉलर के पूर्वानुमान में गिरावट की संभावना जताई है, क्योंकि आधिकारिक मासिक आयात में मई में गिरावट आई, हालांकि त्योहारी मांग की वजह से इसमें सुधार होने की उम्मीद भी कोटक ने जताई है। सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, आयात शुल्क 6% से बढ़ाकर 15% किए जाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से सोना खरीदने से बचने की सलाह का असर घरेलू मांग पर पड़ा है। इसके अलावा, दुनियाभर में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई बढ़ने की चिंता ने भी सोने की मांग को कमजोर किया है। इसी को देखते हुए कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने वित्त वर्ष 2027 में भारत के सोने के आयात के अनुमान में 88 अरब डॉलर की कमी आने की संभावना जताई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मई में सोने के मासिक आयात में गिरावट भी दर्ज की गई। हालांकि, कोटक का मानना है कि आने वाले त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने से सोने के आयात में कुछ सुधार हो सकता है।रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2027 के अंत में 88 अरब अमेरिकी डॉलर के सोने के आयात का अनुमान फर्म ने लगाया है। हालांकि आगामी त्योहारी सीजन में मांग में तेजी की संभावना है।

द बोनस मार्केट अपडेट: सेंसेक्स 600 अंक टूटा, निफ्टी 22,700 के नीचे फिसला; जानिए क्या है इस गिरावट का कारण

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत कमजोर रही। सेंसेक्स 600 से अधिक अंक गिरा, जबकि निफ्टी 22,600 के नीचे पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बाजार को नीचे खींचा। जानें वैश्विक बाजारों का हाल और तकनीकी विश्लेषण।भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत कमजोर रही। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 600 से अधिक अंक टूट गया। निफ्टी भी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे फिसल गया।सुबह 10:02 बजे सेंसेक्स 616.08 अंक यानी 0.84% गिरकर 72,155.64 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी 190.25 अंक यानी 0.84% की गिरावट के साथ 22,590.00 अंक पर पहुंच गया। दोनों प्रमुख सूचकांकों में करीब 0.84% की गिरावट से शुरुआती कारोबार में बाजार पर दबाव साफ नजर आया।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एशियन पेंट्स और इंफोसिस प्रमुख रूप से गिरे। वहीं, सन फार्मा, इंटरग्लोब एविएशन और अदाणी पोर्ट्स के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.74 फीसदी बढ़कर 107.1 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 5,353.22 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयरों ने बाजार को सबसे ज्यादा नीचे खींचा। विश्लेषकों ने बताया कि 22,600 से नीचे की निर्णायक गिरावट बिकवाली के दबाव को और बढ़ा सकती है। इससे सूचकांक 22,400 की ओर बढ़ सकता है। यह स्तर पिछले दो वर्षों की प्रमुख निचले प्रवृत्ति रेखा और 200-सप्ताह के ईएमए से जुड़ा है, जो महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करता है।भारतीय शेयर बाजार में आई इस गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक तनाव और आर्थिक दबाव हैं।

ईशा रिखी: 'मुझे सच में अफसोस है'

Isha Rikhi Post: ईशा रिखी रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' से बाहर हो गई हैं। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। आइए जानते हैं कि ईशा ने उसमें क्या लिखा।

सलमान खान होस्टेड रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में आए दिन कुछ न कुछ नया और धमाकेदार देखने को मिल रहा है। इसमें कुल 16 कंटेस्टेंट्स ने हिस्सा लिया, जिसमें से दो प्रतियोगी रोहैद खान और ईशा रिखी अभी तक बाहर हो गए हैं। तीन हफ्ते घर में रहने के बाद अब बादशाह की एक्स वाइफ ने शो से बाहर आते ही सोशल मीडिया पर एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर किया है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए पोस्ट में लिखा, 'बिग बॉस के घर के अंदर बिताए तीन हफ्ते... तीन हफ्ते जिनमें मैंने बहुत सारी भावनाएं, अनुभव, चुनौतियां, हंसी, आंसू और ऐसी यादें जी हैं, जिन्हें मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। वापस आने के बाद मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है।' ईशा ने पोस्ट में आगे लिखा, 'उन सभी लोगों का दिल से शुक्रिया, जो मेरे साथ खड़े रहे, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया, मुझे चीयर किया। उनका भी शुक्रिया, जिन्होंने मेरा साथ नहीं दिया। मैं हर राय, हर मैसेज और इस सफर का किसी भी तरह हिस्सा रहे हर एक इंसान के लिए आभारी हूं।' ईशा ने आगे बताया, 'पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे।

मेरे कुछ इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, कुछ ऐसे पल आए जब मैं अपनी बात ठीक से नहीं कह पाई और कुछ मौकों पर शायद मैं वैसा नहीं दिख पाई, जैसा मैं खुद को दिखाना चाहती थी।

धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी: बच्चे ने माही से क्या पूछा जो बनी बायोपिक

अक्षय को छोड़ कैसे सुशांत को मिला था रोल?

M.S. Dhoni The Untold Story: भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की जिंदगी पर बनी फिल्म 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' साल 2016 में रिलीज हुई थी। जानें फिल्म से जुड़े दिलचस्प और अनसुने किस्से। आज 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' को रिलीज हुई 10 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने धोनी का किरदार निभाया था। फिल्म में धोनी की क्रिकेट जर्नी से लेकर उनकी पर्सनल लाइफ तक को दिखाया गया था। इस फिल्म को लेकर कई ऐसी बातें भी हैं, जो शायद ही बहुत कम लोग जानते हैं।

एक बच्चे के सवाल ने दी फिल्म बनाने की सोच

एमएस धोनी की जिंदगी पर फिल्म बनाने के पीछे एक दिलचस्प किस्सा भी है। बताया जाता है कि एक बार धोनी एयरपोर्ट पर थे, तभी एक बच्चा उनके पास आया और उनसे मोटिवेशन को लेकर एक सवाल पूछा। धोनी ने बच्चे को टालने के बजाय उसके साथ बैठकर करीब 5 मिनट तक बातचीत की और उसके सवाल का जवाब दिया। धोनी के मैनेजर अरुण पांडे ने जब उनसे पूछा कि उन्होंने बच्चे के साथ इतना समय क्यों बिताया, तो धोनी ने बताया कि उनका जवाब उस बच्चे के लिए काफी मायने रखता है। उन्हें लगा कि अगर उनकी बात से उस बच्चे को मोटिवेशन मिल सकता है

उन्हें लगा कि अगर उनकी बात से उस बच्चे को मोटिवेशन मिल सकता है

Vashu Bhagnani Hospitalised: प्रोड्यूसर वाशु भगनानी को लंदन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब निर्माता से उनकी सेहत के बारे में उनकी सेहत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने प्राइवेसी की मांग की। दिग्गज फिल्म प्रोड्यूसर वाशु भगनानी को लंदन के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह खबर ऐसे समय सामने आई है,

जब इनकम टैक्स विभाग फिल्म फंडिंग में कथित गड़बड़ियों को लेकर जांच कर रहा है। इससे पहले टैक्स अधिकारियों ने मुंबई में 12 जगहों पर छापेमारी की थी।

ये जगहें वाशु भगनानी, उनकी बहू और एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और प्रोडक्शन कंपनी 'पैनोरमा स्टूडियोज' से जुड़ी बताई गई थीं। बता दें कि यह कार्रवाई फिल्म प्रोजेक्ट्स से जुड़े कथित विदेशी फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन को लेकर की गई थी। निर्माता को अस्पताल में क्यों भर्ती कराया गया है, इसकी सही वजह तो फिलहाल सामने नहीं आई है। हालांकि, जब एएनआई ने उनकी सेहत के बारे में पूछना चाहा, तो भगनानी ने प्राइवेसी की मांग करते हुए कहा कि वह अकेला रहना चाहते हैं। ऐसे में अब उनकी सेहत से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए इंतजार करना होगा। मुंबई इनकम टैक्स विभाग की यह जांच कथित वित्तीय गड़बड़ियों से जुड़ी है। बताया जा रहा है कि फिल्म प्रोडक्शन के लिए कुछ रकम विदेश भेजे जाने की बात सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टैक्स अधिकारियों ने फिल्म से जुड़े लोगों और उनके प्रोडक्शन बैनर से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी ली। हालांकि, जिन लेनदेन पर सवाल उठाए गए हैं, उनकी पूरी जानकारी और कुल रकम का अभी खुलासा नहीं किया गया है। वाशु भगनानी हिंदी सिनेमा के जाने-माने प्रोड्यूसर हैं। उन्होंने 1995 में अपना प्रोडक्शन बैनर पूजा एंटरटेनमेंट शुरू किया था। इसी साल उन्होंने गोविंदा की फिल्म 'कुली नंबर 1' से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'हीरो नंबर 1', 'बीवी नंबर 1', 'प्यार किया तो डरना क्या' और 'रहना है तेरे दिल में' जैसी कई सफल फिल्मों का निर्माण किया। और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ मिलकर चलाते हैं।

बॉक्स ऑफिस: वर्ल्डवाइड 'पैराडाइज' 150 करोड़ पार

सिद्धार्थ की 'द वन' का भी कमाल जारी जानें 'हनुमान अंश' का हाल

Box Office Collection: नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की एंट्री कर ली है। वहीं, वर्ल्डवाइड भी इसका जलवा देखने को मिला। इसके अलावा 'द वन' और 'हनुमान अंश' भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं और बॉक्स ऑफिस पर वह कितना कमा रही हैं इस पर मेकर्स की नजरें टिकी हैं। अलग-अलग भाषाओं और जॉनर की फिल्मों के बीच दर्शकों की पसंद का असर कलेक्शन पर साफ नजर आ रहा है। एक तरफ 'द पैराडाइज' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर जहां 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। वहीं, वर्ल्डवाइड भी इसकी शानदार कमाई हुई। इसके अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर फिल्म 'द वन' भी ठीक-ठाक प्रदर्शन करते हुए बॉक्स ऑफिस पर डटी है। 'हनुमान अंश' 54 दिन बाद भी गर्दा उड़ा रही है। आइए जानते हैं इन सभी मूवीज ने अब तक कुल कितनी कमाई की है। 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई साउथ अभिनेता नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' ने सिर्फ छह दिनों में ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 101.50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। मंगलवार को मूवी ने 4.40 करोड़ का बिजनेस किया। वहीं, वर्ल्डवाइड भी इस फिल्म ने 150.50 करोड़ का बिजनेस कर लिया है और अब यह 200 करोड़ की तरफ बढ़ रही है।

- द वन' का कैसा रहा हाल?'द पैराडाइज' के एक दिन बाद यानी 25 सितंबर को 'द वन' सिनेमाघरों में आई।
- इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया लीड रोल में हैं।
- फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को 6 करोड़ रुपये का बिजनेस किया।
- इसके साथ ही फिल्म का टोटल बिजनेस 44.85 करोड़ रुपये हो गया है।
- वर्ल्डवाइड इस मूवी ने 57.95 करोड़ कमा लिए हैं। द वन' के साथ ही हॉलीवुड मूवी 'एवेंजर्स-एंडगेम इनकोर' ने भी सिनेमाघरों ने दस्तक दी थी।

ऋषिकेश मुखर्जी: 'अभिमान' ने बताई रिश्तों की अहमियत

Hrishikesh Mukherjee Birth Anniversary: ऋषिकेश मुखर्जी हिंदी सिनेमा के जाने-माने फिल्मकार थे। आज उनकी 104वीं जयंती है। चार दशक के लंबे करियर में उनकी दस बेहतरीन फिल्मों ने दर्शकों को ऋषि दा के निर्देशन का कायल बना लिया। पढ़िए उनकी 10 मशहूर फिल्मों के बारे मे हिंदी सिनेमा में कुछ फिल्मकार ऐसे रहे जिन्होंने बड़े पर्दे पर भव्यता के बजाय आम आदमी की जिंदगी को जगह दी। ऋषिकेश मुखर्जी ऐसे ही निर्देशकों में शामिल थे। उन्होंने परिवार, दोस्ती, प्रेम, नौकरी, संघर्ष और रिश्तों जैसे रोजमर्रा के विषयों को अपनी फिल्मों का हिस्सा बनाया और उन्हें ऐसी कहानियों में ढाला, जिनमें दर्शक खुद को देख पाए। ऋषि दा हिंदी सिनेमा के उन प्रमुख फिल्मकारों में गिने जाते हैं जिन्होंने आम आदमी की संवेदनाओं को बेहद सहज और मनोरंजक ढंग से पर्दे पर प्रस्तुत किया। उनका जन्म 30 सितंबर 1922 में कोलकाता में हुआ था।

- अपनी शुरुआती शिक्षा उन्होंने गणित और विज्ञान विषय में की।
- इसके बाद कई साल उन्होंने शिक्षक के रूप में काम किया।
- मगर सिनेमा में रुचि होने के कारण वह फिल्मी दुनिया की तरफ मुड़ गए।
- 1940 के दशक में ऋषि दा ने बीएन सरकार के साथ बतौर कैमरामैन और फिल्म एडिटर काम किया।
- इसके बाद उनकी मुलाकात प्रसिद्ध फिल्मकार बिमल रॉय से हुई।
- वह बिमल रॉय की टीम का हिस्सा बने और 'दो बीघा जमीन' व 'देवदास' जैसी फिल्मों के निर्माण में उनका साथ दिया।
- इन फिल्मों से मिले अनुभव ने ऋषिकेश मुखर्जी की सिनेमाई दृष्टि को गहराई से प्रभावित किया।
- 1957 में फिल्म 'मुसाफिर' से ऋषि दा ने बतौर निर्देशक अपने करियरक की शुरुआत की। साल 1959 में ऋषि दा की दूसरी फिल्म 'अनाड़ी' रिलीज हुई, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म का निर्देशन ऋषिकेश मुखर्जी ने किया था। फिल्म में राज कपूर, नूतन, मोतीलाल, ललिता पवार ने अभिनय किया था। 'अनाड़ी' का संगीत शंकर–जयकिशन ने दिया था। वहीं इसका निर्माण एल. बी. लछमन के द्वारा हुआ। फिल्म बॉक्स ऑफिस की सफल फिल्मों में से है।

फिल्म 'सत्यकाम' साल 1969 में रिलीज हुई थी। कहानी सत्य और नैतिकता पर आधारित है। फिल्म में धर्मेंद्र, शर्मिला टैगोर, संजीव कुमार, अशोक कुमार ने अभिनय किया था। यह फिल्म नारायण सान्याल के उपन्यास सत्यकाम पर आधारित है।

यादगार डायलॉग- 'बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं'

1971 में रिलीज हुई फिल्म 'आनंद' को ऋषि दा की सबसे यादगार फिल्म कहें तो गलत नहीं होगा। यह भारतीय सिनेमा की भी एक कालजयी और सदाबहार ड्रामा फिल्म है। फिल्म जिंदगी को जिंदादिली से जीने का संदेश देती है और इसका संवाद 'बाबू मोशाय, जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं', आज भी लोगों की जुबान पर है। फिल्म में राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन और सुमिता सान्याल ने अहम किरदार निभाए थे। फिल्म के गाने भी सुपर-डुपर हिट रहे थे।

फिल्म- गुड्डी

डायलॉग- 'आपको एक बार देख लिया तो कैसे भूल सकते हैं?'

फिल्म 'गुड्डी' भी साल 1971 में ही रिलीज हुई थी। फिल्म में बॉलीवुड की दुनिया और वास्तविक जीवन के अंतर को दर्शाया गया है। फिल्म में जया भादुड़ी, धर्मेंद्र, उत्पल दत्त, विजय शर्मा मुख्य किरदारों में थे। इसे ऋषिकेश मुखर्जी ने निर्देशित किया था। इसका संगीत वसंत देसाई ने दिया था। फिल्म से जया भादुड़ी (बच्चन) बॉलीवुड में स्थापित हुई थीं।

विज्ञापन मामला: शाहरुख-अजय और टाइगर भेजे गए

नोटिस के मिले जवाब तुकाराम मुंडे ने दी जानकारी आगे बढ़ी कार्रवाई

Vimal Elaichi Ad Controversy: विमल विज्ञापन को लेकर बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को भेजे गए नोटिस के मामले में नया अपडेट सामने आया है। जानिए क्या है पूरा मामला। हाल ही में महाराष्ट्र के एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ जैसे बॉलीवुड अभिनेताओं नोटिस भेजे थे। यह नोटिस तंबाकू-सिगरेट के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े थे। अब तीनों एक्टर्स की ओर से जवाब मिल चुका है, जिसकी जानकारी तुकाराम मुंडे ने दी है।

आगे की कार्रवाई जारी

महाराष्ट्र FDA कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने बताया कि तीनों अभिनेताओं की ओर से नोटिस का जवाब मिल चुका है। तुकाराम मुंडे ने बताया कि तीन में से दो अभिनेताओं ने सुनवाई की मांग की थी। दोनों की सुनवाई सोमवार को पूरी हो गई है। अब इस मामले में आगे की प्रक्रिया की जा रही है। महाराष्ट्र FDA कमिश्नर ने कहा, 'तीनों के जवाब आ चुके हैं। उनमें से दो ने सुनवाई की मांग की थी। उनकी सुनवाई कल पूरी हो गई और अब हम आगे की कार्रवाई कर रहे हैं।' फिलहाल इस मामले में आगे क्या फैसला लिया जाता है, इसका इंतजार है।

क्या था मामला, किस बात पर थी आपत्ति?

बता दें कि यह मामला महाराष्ट्र FDA द्वारा तीन अभिनेताओं को 'विमल इलायची' के विज्ञापन में दिखने के लिए जारी किए गए 'कारण बताओ नोटिस' से जुड़ा है।

रेगुलेटर का आरोप था कि यह कैंपेन 'विमल पान मसाला' के लिए सरोगेट विज्ञापन जैसा था, एक ऐसा प्रोडक्ट जिस पर महाराष्ट्र में प्रतिबंध है और उसने अभिनेताओं से विज्ञापन में उनकी भागीदारी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था। विमल इलायची (Vimal Elaichi) के विज्ञापन मामले में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकारों—शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (FDA) के कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने जानकारी दी है कि इन तीनों अभिनेताओं की तरफ से नोटिस के जवाब आ चुके हैं।

महाराष्ट्र FDA ने इन तीनों अभिनेताओं को 'विमल इलायची' के विज्ञापनों में दिखने के लिए कारण बताओ (Show-cause) नोटिस जारी किया था। विभाग का आरोप था कि यह विज्ञापन महाराष्ट्र में प्रतिबंधित उत्पाद 'विमल पान मसाला' का अप्रत्यक्ष यानी सरोगेट प्रचार (Surrogate Promotion) है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (FSSAI) के प्रावधानों के तहत भ्रामक विज्ञापनों और प्रतिबंधित उत्पादों के प्रचार को लेकर यह कार्रवाई की जा रही है। महाराष्ट्र FDA कमिश्नर तुकाराम मुंडे ने मीडिया को जानकारी दी कि तीनों अभिनेताओं के जवाब मिलने के बाद अब आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

Aaj ka Rashifal 30 September

आज का राशिफल: ग्रह-नक्षत्रों की चाल बदलेगी दिन का हाल! मेष, सिंह, तुला, कुंभ और मीन राशि समेत पढ़ें राशिफल

30 September Rashifal: 30 सितंबर का दिन आपके लिए क्या खास लेकर आया है? जानिए आज के राशिफल में धन, करियर, प्रेम और भाग्य से जुड़े महत्वपूर्ण संकेत।

30 सितंबर का राशिफल: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति का प्रभाव व्यक्ति के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों पर देखने को मिल सकता है। आज का दिन कुछ राशियों के लिए नए अवसर, आर्थिक लाभ और करियर में प्रगति के संकेत लेकर आ सकता है, जबकि कुछ राशियों को महत्वपूर्ण फैसले लेते समय सावधानी बरतने की आवश्यकता हो सकती है। आज के राशिफल में हम जानेंगे कि सभी 12 राशियों के जातकों के लिए 30 सितंबर का दिन कैसा रहने वाला है। नौकरी, व्यापार, धन, प्रेम, परिवार और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में आज क्या संकेत मिल रहे हैं और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, इसकी जानकारी आगे विस्तार से दी गई है।

मेष

आज आर्थिक मामलों में आपके लिए उम्मीद की नई किरण नजर आ सकती है। निवेश या पैसों से जुड़े किसी फैसले में जल्दबाजी करने के बजाय धैर्य से काम लेंगे तो लाभ के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। काम के प्रति आपका उत्साह बना रहेगा और आप अपने लक्ष्यों को पूरा करने में पूरी ऊर्जा लगाएंगे। जीवनसाथी के साथ बिताया समय रिश्ते में प्रेम और अपनापन बढ़ाएगा। कारोबार करने वालों को आमदनी बढ़ाने के नए रास्ते दिखाई दे सकते हैं। सेहत को लेकर छोटी परेशानियों को भी नजरअंदाज न करें। बच्चों की भावनाओं को समझने की कोशिश करेंगे तो परिवार का माहौल और भी सुखद हो जाएगा।

वृषभ

आज आपके लिए समझदारी और संयम से आगे बढ़ने का दिन है। किसी भी काम में जल्दबाजी से बचेंगे तो सफलता की राह आसान होगी। मान-सम्मान में वृद्धि से आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। परिवार में विवाह से जुड़ी कोई अड़चन दूर होने पर खुशियों का माहौल बन सकता है। यात्रा के दौरान मिलने वाली कोई महत्वपूर्ण जानकारी आगे आपके लिए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। हालांकि घर में किसी छोटी बात को लेकर मतभेद की स्थिति बन सकती है, इसलिए बात को बढ़ाने के बजाय शांति और समझदारी से काम लेना बेहतर रहेगा।

मिथुन

आज आप अपनी दिनचर्या और काम करने के तरीके में कुछ नए बदलाव लाने के लिए प्रेरित रहेंगे। ये छोटे बदलाव आगे चलकर आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आ सकते हैं। परिवार में किसी नए सदस्य के आने की खुशखबरी मिलने से वातावरण उत्साहपूर्ण हो सकता है। विवाह से जुड़ी परेशानियों में भी राहत मिलने के संकेत हैं। पिता की कोई सलाह आज आपके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। कार्यस्थल पर किसी महत्वपूर्ण चर्चा में आपके विचारों को सराहना मिलेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके सुझावों से प्रभावित हो सकते हैं।

कर्क

आज जीवन में सुख-सुविधाओं को बढ़ाने की आपकी इच्छा पूरी होती दिखाई दे सकती है। घर के लिए कोई जरूरी सामान या नया वाहन खरीदने का विचार बन सकता है। यदि लोन लेने की योजना बना रहे हैं, तो उससे जुड़ा काम आगे बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। सरकारी काम में थोड़ी देरी जरूर हो सकती है, लेकिन धैर्य बनाए रखने से रास्ता निकल आएगा। किसी मित्र की आर्थिक मदद करना रिश्ते को और मजबूत करेगा। पुराने लेन-देन से जुड़ा कोई मामला दोबारा सामने आ सकता है, इसलिए उसे टालने के बजाय समय रहते सुलझाना समझदारी होगी।

सिंह

आज का दिन आपके लिए लाभ के साथ मन को संतोष देने वाला रहेगा। कारोबार में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति को लेकर भी संतुष्टि महसूस होगी। निवेश या शेयर बाजार से जुड़े लोगों को भी कुछ सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं, हालांकि निर्णय सोच-समझकर लेना जरूरी रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और साथी के साथ बिताया समय आपको भावनात्मक सुकून देगा। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात संभव है।

कन्या

आज का दिन कुछ उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ेगा, लेकिन आपकी मेहनत और ईमानदार प्रयास आपको संभाल लेंगे। नौकरी करने वालों की कार्यशैली और लगन से अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई में बेहतर तरीके से लगेगा और मेहनत के अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए जरूरी रहेगा। वैवाहिक जीवन में समझदारी और आपसी सहयोग बना रहेगा। अपनी बात कहते समय शब्दों का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी विवाद का रूप ले सकती है।

तुला

आज पैसों के मामले में संतुलन बनाकर चलना आपके लिए बहुत जरूरी रहेगा। आमदनी और खर्च के बीच सही तालमेल बनाए रखेंगे तो भविष्य को लेकर चिंता कम होगी। कारोबार में बनाई गई योजनाएं धीरे-धीरे रंग लाती नजर आएंगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जाने का अवसर मिल सकता है, जिससे रिश्ते में नई ताजगी आएगी। जरूरी कामों को टालने की आदत आज परेशानी बढ़ा सकती है, इसलिए समय रहते उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। परिवार में किसी बात पर गुस्सा करने के बजाय धैर्य से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक

आज आर्थिक मामलों में थोड़ा सावधान रहना आपके हित में रहेगा। जरूरत और इच्छा के बीच फर्क समझकर खर्च करेंगे तो आने वाले समय में आर्थिक स्थिति ज्यादा मजबूत बनी रहेगी। आसपास चल रहा कोई विवाद समाप्त होने से मन को राहत मिलेगी। खानपान और दिनचर्या पर ध्यान देना जरूरी होगा, क्योंकि इसका सीधा असर आपके स्वास्थ्य और मनोदशा पर पड़ सकता है। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात बीते दिनों की यादें ताजा कर देगी और मन को खुशी भी मिलेगी। परिवार से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे कम होती नजर आएंगी।

धनु

आज का दिन आपके लिए सफलता, सुख और आत्मविश्वास लेकर आ सकता है। जिस काम को लेकर प्रयास कर रहे हैं, उसमें अच्छी प्रगति मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। सम्मान या किसी उपलब्धि से जुड़ी खुशखबरी भी मिल सकती है। कारोबार से जुड़ी उलझनें कम होंगी और आगे की दिशा ज्यादा स्पष्ट नजर आएगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई के दबाव से राहत मिलेगी और उनका मन पहले से बेहतर तरीके से पढ़ाई में लगेगा। लंबे समय से संपत्ति खरीदने का सपना देख रहे हैं तो उसे पूरा करने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम उठ सकता है।

मकर

आज का दिन थोड़ा उलझन भरा रह सकता है, इसलिए किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी करने से बचें। किसी काम को लेकर मन में लगातार संदेह बना हुआ है तो फिलहाल उस पर दोबारा विचार करना बेहतर रहेगा। पिता की किसी बात से मन को ठेस पहुंच सकती है, लेकिन समय के साथ परिस्थितियां सामान्य हो जाएंगी। किसी नए काम की योजना बन सकती है, जिसके अच्छे परिणाम आपको आगे चलकर मिलेंगे। अनावश्यक विवादों से खुद को दूर रखें। सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने से मन हल्का होगा और यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हो सकती है।

कुंभ

आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन कार्यक्षेत्र और परिवार से जुड़ी कुछ छोटी चुनौतियां आपका ध्यान खींच सकती हैं। ऑफिस में किसी सहयोगी की नकारात्मक गतिविधि से परेशानी हो सकती है, इसलिए अपने काम और व्यवहार को लेकर सतर्क रहें। बढ़ते खर्चों के कारण चिंता हो सकती है, इसलिए गैर-जरूरी खरीदारी से बचना बेहतर होगा। संतान से जुड़ी कोई बात आपको थोड़ी चिंता दे सकती है। अतीत की किसी गलती का सच सामने आने पर आप उससे सीख लेकर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही बिल्कुल न करें।

मीन

आज आप ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक सोच से भरे रहेंगे। अच्छे और रचनात्मक कामों में मन लगेगा तथा सामाजिक गतिविधियों में भी आपकी सक्रियता बनी रहेगी। कारोबार से जुड़ी लंबी अवधि की योजनाएं अब गति पकड़ सकती हैं। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक राहत महसूस होगी। सरकारी काम या किसी टेंडर से जुड़ी अच्छी खबर मिलने की संभावना आपके उत्साह को और बढ़ा सकती है। परिवार के किसी सदस्य को अचानक सरप्राइज देकर आप घर में खुशी का माहौल बना सकते हैं। आपके इस अपनत्व से रिश्तों में प्रेम और निकटता और गहरी होगी।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल: मेष, तुला और मीन राशि की लव लाइफ में आएंगे बड़े बदलाव, पढ़ें दैनिक लव राशिफल

30 सितंबर 2026 का लव राशिफल जानें और देखें कि आज ग्रह-नक्षत्र आपके प्रेम जीवन पर कैसा असर डालेंगे। मेष से मीन राशि तक जानें प्यार, रिश्ते और पार्टनर के साथ आपके दिन का हाल।

30 सितंबर का राशिफल: 30 सितंबर 2026 का दिन प्रेम और रिश्तों के लिहाज से खास रहने वाला है। ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का असर सभी 12 राशियों के प्रेम जीवन पर अलग-अलग देखने को मिल सकता है। किसी राशि के जातकों के रिश्ते में प्यार और नजदीकियां बढ़ सकती हैं, तो कुछ लोगों को पार्टनर के साथ बातचीत करते समय धैर्य रखने की जरूरत पड़ सकती है। वहीं, सिंगल लोगों के लिए भी आज का दिन नए रिश्ते और प्रेम के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है। अगर आप जानना चाहते हैं कि आज आपके प्रेम जीवन में क्या खास होने वाला है पार्टनर के साथ आपका रिश्ता कैसा रहेगा और किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, तो पढ़ें 30 सितंबर 2026 का लव राशिफल। तो पढ़ें 30 सितंबर 2026 का लव राशिफल। मेष से मीन राशि तक जानें सभी 12 राशियों के लिए आज का प्रेम राशिफल।

मेष लव राशिफल (Aries Love Horoscope)

आज आपकी लव लाइफ में उत्साह और रोमांस बना रहेगा। पार्टनर आपके साथ नए अनुभवों को साझा कर सकते हैं, जिससे रिश्ते में नयापन आएगा। साथ मिलकर कहीं घूमने या कोई नई एक्टिविटी करने का प्लान बन सकता है।

अक्तूबर के महीने में बनेंगे 4 बड़े राजयोग, इन 4 राशियों पर बरसेगी कृपा

October Rajyoga 2026: अक्तूबर में बुधादित्य, मालव्य और लक्ष्मी नारायण समेत 4 शुभ योग बनेंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इनका असर 4 राशियों के लिए खास रह सकता है।

October Rajyoga 2026: अक्टूबर 2026 ग्रहों की चाल के लिहाज से महत्वपूर्ण महीना रहने वाला है। इस दौरान कई प्रमुख ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे, जिसके चलते अलग-अलग ग्रहों की युति से बुधादित्य, लक्ष्मी नारायण, मालव्य और त्रिग्रही जैसे शुभ योगों का निर्माण होगा। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इन योगों का प्रभाव अलग-अलग राशियों पर अलग हो सकता है। खासतौर पर कर्क, सिंह, तुला और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, किसी भी राजयोग का वास्तविक प्रभाव व्यक्ति की जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति, लग्न और दशा आदि पर निर्भर माना जाता है।

4 अक्तूबर को बनेगा त्रिग्रही योग: अक्तूबर की शुरुआत में ही ग्रहों की विशेष स्थिति देखने को मिलेगी। 4 अक्तूबर 2026 को चंद्रमा कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। इस समय कर्क राशि में देवगुरु बृहस्पति और मंगल की मौजूदगी रहेगी। ऐसे में चंद्रमा, गुरु और मंगल की युति से त्रिग्रही योग बनेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह योग करीब 6 अक्तूबर तक प्रभाव में रह सकता है।

17 अक्तूबर को बुधादित्य योग: 17 अक्तूबर को सूर्य कन्या राशि से निकलकर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। तुला राशि में उस समय बुध की स्थिति रहेगी। सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग का निर्माण होगा। ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, पद, प्रतिष्ठा और नेतृत्व से जोड़ा जाता है, जबकि बुध बुद्धि, संवाद, तर्क और व्यापार के कारक माने जाते हैं। ऐसे में इस योग को इन क्षेत्रों से जोड़कर देखा जाता है।

20 अक्तूबर को लक्ष्मी नारायण योग: 20 अक्तूबर को शुक्र तुला राशि में प्रवेश करेंगे। तुला शुक्र की स्वराशि है और यहां पहले से बुध की मौजूदगी रहेगी। शुक्र और बुध की युति से लक्ष्मी नारायण योग बनेगा। तिषीय मान्यताओं में बुध-शुक्र की युति को धन, सुख-सुविधा, कला, व्यापार और भौतिक समृद्धि से संबंधित माना जाता है। ऐसे में इस योग को आर्थिक और व्यावसायिक मामलों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

20 अक्तूबर को ही मालव्य योग: शुक्र के तुला राशि में आने से 20 अक्तूबर को मालव्य योग का निर्माण भी होगा। मालव्य योग पंच महापुरुष योगों में शामिल माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार जब शुक्र अपनी स्वराशि या उच्च राशि में होकर कुंडली के केंद्र भाव यानी प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम भाव में स्थित होता है, तब मालव्य योग बनता है। इस योग को ज्योतिषीय मान्यताओं में सुख-सुविधा, ऐश्वर्य, कला, आकर्षण और प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जाता है।

31 अक्तूबर को गुरु करेंगे सिंह राशि में प्रवेश: अक्तूबर के अंतिम दिन 31 अक्तूबर 2026 को देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। गुरु को ज्योतिष में ज्ञान, शिक्षा, विस्तार और समृद्धि का कारक माना जाता है। वहीं सिंह राशि के स्वामी सूर्य हैं और गुरु-सूर्य के बीच मित्रता का संबंध माना जाता है। इसी वजह से गुरु का सिंह राशि में गोचर ज्योतिषीय दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसका प्रभाव अलग-अलग राशियों पर उनकी कुंडली में गुरु की स्थिति के अनुसार अलग हो सकता है।

शारदीय नवरात्रि में इन 3 राशि वालों को होगा बड़ा लाभ, तरक्की से लेकर विदेश यात्रा तक के बनेंगे योग

Shardiya Navratri 2026: शारदीय नवरात्रि कुछ राशि वालों के लिए खास हो सकता है। जातकों को धन लाभ, तरक्की, मनचाही नौकरी और निवेश से अच्छा लाभ मिलने की संभावनाएं हैं।

Shardiya Navratri 2026: इस साल शारदीय नवरात्रि का आरंभ 11 अक्तूबर 2026 से होगा। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, माता का हाथी पर आगमन बेहद शुभ माना जाता है क्योंकि हाथी सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है। मान्यता है कि इसके शुभ प्रभाव से जातकों को धन-धान्य की प्राप्ति होने के साथ ही कार्यों में मनचाही सफलता मिल सकती है। इसका विशेष प्रभाव कुछ राशियों पर भी देखने को मिल सकता है। इस दौरान कुछ राशि वालों को आर्थिक लाभ, करियर में तरक्की और विदेश यात्रा के अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं कि शारदीय नवरात्रि किन तीन राशि वालों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है।

मंगल कर्क गोचर 2026: नवंबर तक इन 3 राशि के लोग रहें अलर्ट, नौकरी-व्यापार में शॉर्टकट पड़ेगा भारी

Mangal Gochar 2026: मंगल कर्क राशि में विराजमान है। यह समय कुछ राशि वालों के लिए खास, तो कुछ की परेशानियां बढ़ा सकता है। लेकिन इन 3 राशि वालों के लिए मंगल की यह स्थिति अशुभ मानी जा रही है और इस समय जातकों को सभी कार्यों में सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी।

Mangal Gochar 2026: ग्रहों के सेनापति मंगल इस समय चंद्रमा की राशि कर्क में विराजमान हैं। वह 12 नवंबर 2026 तक इसी राशि में रहने वाले हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मंगल और चंद्रमा दोनों का स्वभाव और प्रभाव एक-दूसरे से अलग माना जाता है। जहां मंगल ऊर्जा, साहस, क्रोध और निडरता के प्रतीक हैं, वहीं चंद्रमा मन, शीतलता और स्थिरता को दर्शाते हैं। ऐसे में इन दोनों ग्रहों का यह अनोखा संयोग कुछ राशि वालों के लिए उतार-चढ़ाव लेकर आ सकता है। इस दौरान जातकों की निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है और जल्दबाजी में लिए गए फैसले परेशानी बढ़ा सकते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार, कार्यक्षेत्र और निजी जीवन में भी इसका असर देखने को मिल सकता है। ऐसे में कुछ राशि वालों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता रहेगी।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: गुवाहाटी में कोहली लगाएंगे शतकों का चौका!

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरे वनडे में गुवाहाटी में विराट कोहली और रोहित शर्मा पर खास नजरें रहेंगी। कोहली इस मैदान पर लगातार चौथा शतक लगाने के इरादे से उतरेंगे, जबकि रोहित शर्मा 12 हजार वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 73 रन दूर हैं। दोनों बल्लेबाजों का गुवाहाटी में शानदार रिकॉर्ड रहा है। कोहली ने यहां तीनों वनडे में शतक लगाए हैं, वहीं रोहित ने दो पारियों में 235 रन बनाए हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार को गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत के बाद भारतीय टीम की नजरें सीरीज पर कब्जा जमाने पर होंगी। इस मुकाबले में सभी की निगाहें अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा पर रहेंगी, जिनका गुवाहाटी में वनडे रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। विराट कोहली ने गुवाहाटी में अब तक तीन वनडे खेले हैं और तीनों में शतक जड़ा है। वहीं, रोहित शर्मा ने इस मैदान पर खेले दोनों वनडे में शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में बुधवार को दोनों दिग्गजों से एक बार फिर बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।

गुवाहाटी में कोहली का शतकों का चौका लगाने पर नजर

विराट कोहली ने इस सीरीज के पहले वनडे में नाबाद 139 रन की शानदार पारी खेली थी। इस पारी के दौरान उन्होंने वनडे में 15 हजार रन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 86वां शतक भी पूरा किया। अब कोहली की नजर गुवाहाटी में अपने शतकों की संख्या चार करने पर होगी। उन्होंने इस मैदान पर तीन वनडे में 358 रन बनाए हैं। उनका औसत 119.33 और स्ट्राइक रेट 120.13 रहा है। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 140 रन है। गुवाहाटी में कोहली का पहला शतक नवंबर 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ आया था। तब उन्होंने 104 गेंदों पर 105 रन बनाए थे। भारत ने यह मुकाबला 40 रन से जीता था और कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। इसके बाद 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने 107 गेंदों पर नाबाद 140 रन की पारी खेली। इस पारी में 21 चौके और दो छक्के शामिल थे। भारत ने 323 रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया था और कोहली को फिर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

2026 में भी शानदार फॉर्म में हैं कोहली

37 वर्षीय कोहली 2026 में अब तक सात वनडे में 523 रन बना चुके हैं। उनका औसत 87.16 और स्ट्राइक रेट 116 से ज्यादा रहा है। इस दौरान उन्होंने दो शतक और तीन अर्धशतक लगाए हैं। 35 साल की उम्र के बाद भी वनडे में कोहली का प्रदर्शन शानदार रहा है।

क्या है विराट कोहली के लंबे करियर का राज?

विराट कोहली ने 15 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कहा कि उनका लक्ष्य कभी व्यक्तिगत आंकड़े हासिल करना नहीं रहा, बल्कि मुश्किल परिस्थितियों में भारत को जीत दिलाना रहा है। उन्होंने शुभमन गिल की कप्तानी और उनके साथ बल्लेबाजी के अनुभव पर भी बात की। गिल ने भी विराट के साथ यह उपलब्धि साझा करने को खास बताया। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे करने के बाद अपने लंबे और सफल करियर का मंत्र बताया है। कोहली के मुताबिक, इतने लंबे समय तक शीर्ष स्तर पर टिके रहने के पीछे व्यक्तिगत आंकड़े नहीं, बल्कि भारत को जीत दिलाने की इच्छा रही है। वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को खेले गए सीरीज के पहले मुकाबले में शतक लगाकर कोहली ने यह खास उपलब्धि हासिल की। वह सचिन तेंदुलकर के बाद वनडे में 15 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे बल्लेबाज हैं। कोहली ने कहा कि 15 हजार रन का आंकड़ा निश्चित रूप से खास है, लेकिन उनका ध्यान हमेशा टीम की जीत पर रहा है। उन्होंने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'अगर आप इसे आंकड़ों के नजरिये से देखें तो यह बड़ा नंबर है। लेकिन लक्ष्य हमेशा यही रहा है कि अलग-अलग परिस्थितियों और मुश्किल हालात में टीम को जीत दिलाने की कोशिश करूं। मैंने इतने वर्षों में यही करने की कोशिश की है।' 37 वर्षीय कोहली ने कहा कि सिर्फ व्यक्तिगत आंकड़ों के पीछे भागकर कोई खिलाड़ी इतने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेल सकता। उन्होंने कहा, 'आप इतने लंबे समय तक तभी खेल सकते हैं, जब आपका लक्ष्य टीम को जिताना हो। आप इतने लंबे समय तक सिर्फ आंकड़ों के लिए नहीं खेल सकते। अगर आपको सिर्फ अपने आंकड़े हासिल करने हैं तो आप मुख्य लक्ष्य से समझौता करेंगे और इस तरह लंबे समय तक नहीं खेल सकते।' कोहली ने 15 हजार रन पूरे करने को खास उपलब्धि बताते हुए कहा, 'मैं खुशकिस्मत हूं कि इतने लंबे समय तक इस स्थिति में रहा और एक और जीत की राह में इतना बड़ा आंकड़ा हासिल करना निश्चित रूप से खास है।' वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में कोहली ने वनडे करियर का 55वां शतक लगाया। यह वनडे में उनका रिकॉर्ड बढ़ाने वाला 55वां शतक है। उनकी पारी ने भारत को सीरीज के पहले मैच में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 15 हजार रन तक पहुंचने वाले कोहली अब सिर्फ सचिन तेंदुलकर से पीछे हैं। तेंदुलकर के बाद इस आंकड़े तक पहुंचने वाले वह दूसरे बल्लेबाज हैं। भारत के मौजूदा कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि बचपन में विराट कोहली को आदर्श मानने के बाद अब उनके साथ मैदान पर यह उपलब्धि साझा करना उनके लिए खास पल है। गिल ने कहा, 'बहुत खुशी है। बड़े होते हुए मैंने कभी नहीं सोचा था कि विराट भैया के 15 हजार वनडे रन पूरे करने के समय मैं उनके साथ मैदान पर रहूंगा।

एशियाड: फाइनल में पहुंचने के लिए इस टीम से भिड़ेगा भारत बारिश ने तय किया विरोधी सेमीफाइनल धुला तो क्या होगा?

एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के सेमीफाइनल मुकाबले तय हो गए हैं। भारत का सामना श्रीलंका से होगा, जबकि पाकिस्तान की टक्कर बांग्लादेश या मलयेशिया के विजेता से होगी। बारिश के कारण मैच धुलने पर बेहतर रैंकिंग वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। ऐसे में भारत-पाकिस्तान फाइनल की संभावना भी बनी हुई है। एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के एक सेमीफाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। बारिश के कारण नेपाल और श्रीलंका के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला रद्द होने के बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर श्रीलंका ने अंतिम-चार में जगह बनाई। अब भारत का सामना श्रीलंका से होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान की भिड़ंत बांग्लादेश से होगी। दोनों सेमीफाइनल एक अक्तूबर को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल और ब्रॉन्ज मेडल मैच तीन अक्तूबर को होंगे। बांग्लादेश और मलयेशिया के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला भी बारिश के कारण रद्द कर दिया गया है। ऐसे में क्वार्टर फाइनल के चारों मुकाबले बारिश के कारण रद्द करने पड़े और बेहतर रैंकिंग वाली टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। नेपाल और श्रीलंका के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण नहीं हो सका। मुकाबला रद्द होने पर बेहतर रैंकिंग के आधार पर श्रीलंका आगे बढ़ गया। इस तरह भारत के सेमीफाइनल का विरोधी तय हो गया है। भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा सेमीफाइनल एक अक्तूबर को भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे से खेला जाएगा। भारत और श्रीलंका के बीच सेमीफाइनल में भी बारिश का खतरा रहता है तो रैंकिंग अहम भूमिका निभाएगी। अगर मुकाबला बारिश के कारण धुल जाता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत फाइनल में पहुंच जाएगा। भारत (नंबर-1 टीम) की रैंकिंग श्रीलंका के नौवें स्थान से बेहतर है। यानी टीम इंडिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए हर हाल में मैदान पर जीत दर्ज करना जरूरी नहीं होगा, बशर्ते बारिश मैच को पूरी तरह प्रभावित कर दे। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। पाकिस्तान की टी20 रैंकिंग छह है, जबकि बांग्लादेश आठवें स्थान पर है। ऐसे में अगर पाकिस्तान का सेमीफाइनल भी बारिश के कारण रद्द होता है, तो बेहतर रैंकिंग के आधार पर पाकिस्तान फाइनल में पहुंच जाएगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना बांग्लादेश से होगा। पाकिस्तान की टी20 रैंकिंग छह है, जबकि बांग्लादेश आठवें स्थान पर है। आधार पर पाकिस्तान फाइनल में पहुंच जाएगा।

एशियन गेम्स 2026: क्रिकेट में बड़ा उलटफेर

नेपाल ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराया 16 गेंद पहले जीता मैच

एशियन गेम्स 2026 में नेपाल ने ग्रुप ए के मुकाबले में अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। अफगानिस्तान ने 102 रन बनाए, जिसके जवाब में नेपाल ने 17.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने अहम पारियां खेलीं। नेपाल की यह अफगानिस्तान पर पांच टी20 मुकाबलों में दूसरी जीत है। एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट में बड़ा उलटफेर हुआ है। शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 102 रन ही बना सकी। जवाब में नेपाल ने 16 गेंद शेष रहते यानी 17.2 ओवर में पांच विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मोहम्मद अकरम दो रन और करीम जनत नौ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, हसन ऐसाखिल खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद फैसल शिनोजादा और नजीबुल्लाह जादरान ने चौथे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की। शिनोजादा 33 गेंद में 30 रन और जादरान 40 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। फिर अफगानिस्तान की टीम संभल नहीं सकी। मोहम्मद इशाक सात रन और कप्तान दरविश रसूली खाता खोले बिना आउट हुए। खरोती 15 गेंद में 17 रन और अहमदजई एक रन बनाकर नाबाद रहे। नेपाल की ओर से कुशर भुर्तेल ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए। वहीं, ललित राजबंशी को तीन विकेट मिले। 103 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल की टीम की शुरुआत भी खराब रही। कुशल भुर्तेल खाता खोले बिना आउट हुए। वहीं, आसिफ शेख दो रन बना सके। कुशल मल्ला भी नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद संदीप जोरा और रोहित पौडेल ने चौथे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। जोरा 35 गेंद में 34 रन बनाकर आउट हुए। फिर पौडेल ने दीपेंद्र सिंह एयरी के साथ 46 रन की साझेदारी निभाई। एयरी 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद पौडेल ने गुलशन झा के साथ मिलकर नेपाल को जीत दिलाई।

भारत अंडर-19 से हारा ऑस्ट्रेलिया: लक्ष्य का दोहरा शतक और यशवर्धन की घातक गेंदबाजी, पारी और 48 रन से मिली जीत

भारत अंडर-19 ने लक्ष्य रायचंदानी के 240 रन और यशवर्धन चौहान के छह विकेट की बदौलत ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 48 रन से हरा दिया। भारत ने दो मैचों की युवा टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत अंडर-19 ने पहले यूथ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को पारी और 48 रन से करारी शिकस्त दी। राजकोट में खेले गए मुकाबले में यशवर्धन चौहान ने छह विकेट और ईशान ओम ने चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। इससे पहले लक्ष्य रायचंदानी की 240 रन की शानदार पारी ने भारत की जीत की नींव रख दी थी। इस जीत के साथ भारत ने दो मैचों की यूथ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इससे पहले भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को यूथ वनडे सीरीज में 3-0 से हराया था।

पहली पारी में भारत ने बनाया विशाल स्कोर

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य रायचंदानी के दोहरे शतक की बदौलत 494 रन बनाए। रायचंदानी ने 281 गेंदों पर 240 रन की मैराथन पारी खेली, जिसमें 24 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उनके अलावा यशवर्धन चौहान ने 54 और मोहित उलवा ने 92 रन की अहम पारियां खेलीं। चौहान ने रायचंदानी के साथ 124 रन की साझेदारी की, जबकि उलवा ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर आक्रामक अंदाज में प्रहार करते हुए 84 गेंदों पर 92 रन बनाए। उनकी पारी में 10 चौके और चार छक्के शामिल रहे। भारत ने पहली पारी में 277 रन की बड़ी बढ़त हासिल की, जिससे ऑस्ट्रेलिया पर दबाव काफी बढ़ गया।

चौहान और ईशान के सामने ऑस्ट्रेलिया ने टेके घुटने

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 217 रन पर सिमट गई। यशवर्धन चौहान ने 6 विकेट लेकर भारतीय गेंदबाजी की अगुआई की। उन्होंने ब्लेक कैटल को भी आउट किया, जिन्होंने 123 रन की शानदार पारी खेली। कैटल ने 114 गेंदों पर शतक पूरा किया और अपनी पारी में 16 चौके और चार छक्के लगाए, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया के सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। बाएं हाथ के स्पिनर ईशान ओम ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके और ऑस्ट्रेलिया के विशेषज्ञ बल्लेबाजों को परेशान किया।

दूसरी पारी में भी नहीं बदली तस्वीर

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 229 रन बनाए और पूरी टीम 59.4 ओवर में ऑलआउट हो गई। यहां भी चौहान ने 6/75 और ईशान ओम ने 4/62 के आंकड़े के साथ ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्लेक कैटल ने एक बार फिर संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। इस तरह भारत ने मुकाबला पारी और 48 रन से अपने नाम कर लिया।

पांच अक्तूबर से दूसरा यूथ टेस्ट

दोनों टीमों के बीच दूसरा और आखिरी यूथ टेस्ट भी राजकोट में खेला जाएगा। यह मुकाबला पांच अक्तूबर से आयोजित होगा।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300